डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 04.11.2024 से 10.11.2024

▶ वर्ष-41 ▶ अंक-45 ▶ मूल्य ₹ 10.00

रवीन्द्र सभागम में हुआ मध्यप्रदेश के 69वें स्थापना दिवस समारोह का मुख्य आयोजन

प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकास के संकल्प को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

भोपाल, आम नागरिकों के कल्याण में राज्यों की सीमा बाधा नहीं बनना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भी यही संकल्प है। प्रधानमंत्री जी ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के लिए समाधान का मार्ग प्रशस्त किया। अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना भारत की प्रथम नदी जोड़ो परियोजना है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रवीन्द्र सभागम में आयोजित मध्यप्रदेश के 69वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश और राजस्थान के मध्य 20 वर्ष से पार्वती चंबल कालीसिंध परियोजना की स्वीकृति के लंबित मामलों में अब स्वीकृति हो गई है। इन मंजूरियों से प्रदेश के बड़े अंचल में विकास की गति तीव्र हो जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के तीव्र विकास का संकल्प पूरा करने में मध्यप्रदेश सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यह परियोजना एक इतिहास रचने का कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के 69 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2005 तक 5 मेडिकल कॉलेज ही थे, जिनकी संख्या वर्तमान में 20 हो गई है।

मध्यप्रदेश नदियों के मायके की तरह है

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थापना वर्ष 1956 से लेकर अब तक एक लंबी यात्रा तय हुई है। इस वर्ष राज्योत्सव और दीपोत्सव एक साथ आए हैं। प्रदेश में चार दिन का स्थापना दिवस समारोह और 5 दिन का दीपोत्सव हो रहा है। मध्यप्रदेश इस मामले में सौभाग्यशाली है कि यहां मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में सर्वाधिक समय व्यतीत किया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी मध्यप्रदेश की धरती पर उज्जैन आकर शिक्षा ग्रहण की। मध्यप्रदेश पर प्रकृति का भी वरदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय से गंगा के उद्गम और अन्य नदियों की जल राशि को देखें तो उससे कहीं अधिक जल राशि नर्मदा के साथ सोन, चंबल, ताप्ती आदि से प्रवाहित होती है। मध्यप्रदेश नदियों के मायके की तरह है। यह देश के लिए अजूबा और वरदान दोनों है।

/ संक्षिप्त खबर /

प्रदेश के शासकीय सेवकों को 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता स्वीकृत

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने इस अवसर पर सभी अधिकारी-कर्मचारियों का 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासकीय सेवकों को 46 प्रतिशत मंहगाई भत्ता वित्त विभाग द्वारा 14 मार्च 2024 द्वारा स्वीकृत किया गया था।

श्री दुमणे ने पदभार किया ग्रहण

भोपाल, मेजर जनरल विक्रांत एम दुमणे ने 28 अक्टूबर को भोपाल में अतिरिक्त महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का पदभार ग्रहण किया। मेजर जनरल विक्रांत एम दुमणे सैनिक स्कूल, सतारा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला पुणे के पूर्व छात्र हैं। जनरल ऑफिसर को जून 1990 में आर्टिलरी रेजिमेंट में कमीशन दिया गया था।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग,

विलम्ब और लापरवाही करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों पर की जाएगी कठोर कार्यवाही

भोपाल, हम सब जनता के प्रति जवाबदेह हैं, हमारा दयित्व तभी पूरा होता है जब हम अपने कर्तव्य का समय रहते निर्वहन करें। शासकीय कार्यों में लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय से समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में इस क्षेत्र में हुए कार्य की गहन समीक्षा करते हुए बेहतर कार्य करने वाले कर्मचारी एवं अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा और जिन्होंने विलम्ब या लापरवाही की है उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने 11 अधिकारियों और कर्मचारियों को निलम्बित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जन समस्याओं के निराकरण के लिए प्रदेश स्तर पर सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर ऐसा वातावरण निर्मित करने की आवश्यकता है जिससे लोग निर्भय होकर अपनी बात और शिकायत सक्षम अधिकारी के समक्ष रख सकें। विकास, जन कल्याण और मूलभूत सेवाओं से संबंधित लंबित प्रकरणों को जिला स्तर पर समय-सीमा निर्धारित कर अभियान चला कर निपटाया जाए तथा अभियान की जिले के साथ राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग की जाए।

जलवायु परिवर्तन को रोकने जमीनी स्तर पर व्यवहार में लाना होगा बदलाव

भोपाल, जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिये जमीनी स्तर पर व्यवहार में बदलाव लाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पंचामृत की जो बात कही गई है, उसका पालन सभी को करना चाहिए। भारत हमेशा प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में सामने आया है। विषय-विशेषज्ञों ने इस तरह के विचार 'जलवायु परिवर्तन के लिये वैश्विक प्रयास-भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान' पर हुई संगोष्ठी में 'इंडियाज पर्सपेक्टिव ऑन क्लाइमेट चेंज और पॉजिटिव एफर्टस् फॉर क्लाइमेट प्रोटेक्शन एट नेशनल एण्ड इंटरनेशनल लेवल्स पर हुए पैनल डिस्कशन' में व्यक्त किये।

सेवानिवृत्त आईएएस श्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कार्बन बाजारों में प्रवेश के लिये ठोस फ्रेमवर्क बनाने की जरूरत है। इससे प्राकृतिक खेती और सतत वन विकास एवं पर्यावरणीय प्रयासों को वित्तीय सहायता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को प्रोत्साहित करेगा।

बनायें नेचर वॉलेंटियर्स

वरिष्ठ पत्रकार श्री अभिलाष खांडेकर ने कहा कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिये नेचर वॉलेंटियर्स बनाने की जरूरत है। पानी का सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज को रोकने के व्यवहार में परिवर्तन जरूरी है। आईआईएफएम के प्रोफेसर डॉ. योगेश दुबे ने कहा कि क्लाइमेट चेंज को रोकने के लिये भारत सरकार ने बड़ी तेजी से कदम आगे बढ़ाया है।

विकसित मध्यप्रदेश और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के संकल्प की ओर बढ़ते कदम

- डॉ. मोहन यादव

मध्यप्रदेश के नये स्वरूप की यात्रा को 68 वर्ष बीत चुके हैं। इस यात्रा में लगभग दो दशक पूर्व तक प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी में था। विकास के निरंतर प्रयास से प्रदेश प्रगति पथ पर आगे बढ़ा। विगत दस वर्षों से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश ने विकास की करवट ली और प्रदेश विकसित राज्य की ओर अग्रसर है। अब हमने जनसेवा, सुशासन और प्रदेश के चहुंमुखी विकास की नयी यात्रा आरंभ की है। प्रदेशवासियों के साथ मिलकर प्रदेश को देश में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं।

भारत का हृदय, अपना मध्यप्रदेश वन, जल, अन्न, खनिज, शिल्प, कला, संस्कृति, उत्सव और परंपराओं से समृद्ध है। पुण्य सलिला माँ नर्मदा का सानिध्य और भगवान महाकालेश्वर का आशीर्वाद हमें प्राप्त है। यह असंख्य वीरों, बलिदानियों और राष्ट्र संस्कृति के प्रति समर्पित महान विभूतियों की धरती है। यह भगवान परशुराम की जन्मस्थली, भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षास्थली और आदि शंकराचार्य की तपोस्थली है। यहां गोंडवाना की वीरांगना रानी दुर्गावती ने स्वत्व के लिए प्राणों का उत्सर्ग किया था। राष्ट्र में सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित करने वाली पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की कर्मस्थली है। उनके त्रिशताब्दी समारोह वर्ष में कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश को प्राकृतिक संपदा के आधार के साथ इतिहास का गौरव प्राप्त है। अब हम विकास के साथ विरासत को लेकर आगे बढ़ेंगे।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए विकसित भारत निर्माण का संकल्प दिया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिये उन्होंने ज्ञान (GYAN), गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सम्मान का नया सूत्र (वाक्य) दिया। ये चार वर्ग विकास के आधार स्तम्भ हैं। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश विकास और कल्याण के लिये युवा शक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण मिशन के तहत कार्य करने जा रहे हैं।

युवा शक्ति मिशन शिक्षा, कौशल विकास, रोज़गार, उद्यमिता, नेतृत्व विकास, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्य की योजना बनाकर मिशन मोड में कार्य करेगा। युवाओं को स्वरोज़गार से जोड़ने के साथ हमने शासकीय नौकरियों में एक लाख से अधिक युवाओं के भर्ती का अभियान शुरू कर दिया है। मध्यप्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। प्रदेश के 55 जिलों में पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ, कुलपतियों को कुलगुरु का मान, शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा, पर्यावरण और योग ध्यान पाठ्यक्रम का समावेश किया गया है।

गरीब कल्याण मिशन स्वरोज़गार तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, आवास, शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा की दिशा में कार्य करेगा। नारी शक्ति मिशन के तहत बालिका शिक्षा, लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, लखपति दीदी योजना, महिला स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण आदि कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किये जायेंगे। किसान कल्याण मिशन में कृषि और उद्यानिकी को लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में कार्य होंगे। किसानों को राहत देने के साथ कृषि की उपज बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास किये जायेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि विकसित मध्यप्रदेश निर्माण के संकल्प को पूरा करने में इन चारों मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

हमारा प्रयत्न है कि मध्यप्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के विशिष्ट उत्पादों के अनुरूप उद्योग स्थापित हों। इसके लिए हमने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में आयोजन किया। हैदराबाद, कोयंबटूर तथा मुंबई में रोड शो और उद्योगपतियों को निवेश के लिये प्रदेश में आमंत्रित करना उद्योग विस्तार का उपक्रम है।

मेरा संकल्प है कि प्रदेश की धरती पर कभी जल का संकट न आए, इसका एक-एक कोना जल से सिंचित हो। इसके लिए हमने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में केन-बेतवा और पार्वती-काली-सिंध चंबल नदी लिंक परियोजनाओं पर तेजी से कार्य आरंभ कर दिया है। इस अभियान में सदानीरा नदियों के जल को मौसमी नदियों के साथ जोड़ने से अन्नदाता किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा, पेयजल समस्या समाप्त होगी और धरती का जल स्तर बढ़ेगा। कृषि के साथ गौ-पालन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक गांव में गौ-शाला खोली जायेगी। गाय हमारी संस्कृति और कृषि का आधार है। प्रदेश में हम गौ-संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष मना रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में सुशासन के लिए होने वाले प्रयास में साइबर तहसील परियोजना को सभी 55 जिलों में लागू किया गया है। यह पहल करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। थानों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण, राजस्व महा-अभियान के 2 चरणों में नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, नक्शा सुधार और सीमांकन के 80 लाख से अधिक लंबित प्रकरणों का निराकरण, आवासीय भू-खंडों के लिए ऑनलाइन आवेदन व्यवस्था लागू की है। गरीब कल्याण हमारी प्राथमिकता है। हमने इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 मजदूरों को उनका अधिकार दिलाया और गंभीर बीमारी के गरीब मरीजों के लिये पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा शुरू की। बेटियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये सेनिटेशन एवं हाइजीन योजना में 19 लाख किशोरियों के खातों में 57 करोड़ रुपये से अधिक राशि प्रदान की गई। इस कार्य को यूनिसेफ इंडिया द्वारा भी सराहना मिली है।

मध्यप्रदेश गौरवशाली विरासत और संस्कृति से समृद्ध है। इसे सहेजने तथा आध्यात्मिक अभ्युदय की दिशा में श्रीराम वन गमन पथ, श्रीकृष्ण पाथेय का निर्माण, पीएमश्री पर्यटन वायुसेवा, वीर भारत न्यास का शिलान्यास, विक्रमोत्सव के आयोजन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का शुभारंभ, शासकीय कैलेंडर में विक्रम संवत् अंकित करना। सांस्कृतिक पुनर्जागरण के क्रम में रक्षाबंधन, श्रावण उत्सव तथा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व का आयोजन किया गया। केन्द्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाने में मध्यप्रदेश, देश में अग्रणी है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यह आर्थिक, सामाजिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक अभ्युदय का समय है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में, नीतियों और निर्णयों को अमल में लाने के लिए मुझे प्रदेशवासियों की संकल्प शक्ति चाहिए। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि मध्यप्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ, सहयोग और संकल्प से हम आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश बनाएंगे और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी होंगे।

प्रदेशवासियों को मध्यप्रदेश के 69वें स्थापना दिवस की मंगलकामनाएं...

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

26 अक्टूबर

ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाएगी केंद्र सरकार

● सीमावर्ती इलाकों में ग्राम पंचायतों की ढांचागत कमियों को पूरा करने के लिए

पंचायती राज मंत्रालय ने कई प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इसके चलते नए पंचायत भवनों तथा संसाधन केंद्रों के निर्माण और मौजूद केंद्रों का उच्चीकरण किया जाएगा। सीमावर्ती इलाकों में विशेष तौर पर पंचायतों के ढांचागत विकास में जीवंत गांव की अवधारणा को ध्यान में रखा जाएगा। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत इसी के आधार पर अरुणाचल प्रदेश में 400 पंचायत भवन सह सुविधा केंद्रों का निर्माण किया जाएगा। उत्तर-पूर्व के राज्य मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, असम एवं मणिपुर में कुल 1.633 ग्राम पंचायत भवन और 514 सामान्य सुविधा केंद्र मंजूर किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक इन सुविधाओं के विकास से स्थानीय प्रशासन बेहतर होगा और लोक सेवाओं के साथ निर्णय लेने की प्रक्रिया में लोगों की सहभागिता भी बढ़ेगी।

● पृथ्वी की कक्षा में मलबे की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) का अनुमान है कि पृथ्वी की कक्षा में दस सेंटीमीटर से बड़े 40 हजार और एक सेंटीमीटर से बड़े 13 करोड़ से अधिक टुकड़े हैं। पृथ्वी की कक्षा में मानव निर्मित अंतरिक्ष मलबे का कुल वजन लगभग 13 हजार टन है। इसमें लगभग एक तिहाई मलबा रॉकेट के बचे हुए टुकड़ों का है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मुताबिक यह मलबा इतना शक्तिशाली है कि इसका एक छोटा सा टुकड़ा भी किसी उपग्रह या अंतरिक्ष यान को क्षतिग्रस्त करने में सक्षम है। इस कारण से अंतरिक्ष मलबे के भविष्य में होने वाले प्रभाव को समझने के लिए आकाश पर निरंतर निगरानी की जरूरत है।

27 अक्टूबर

कंपनियां अब 15 नवंबर तक भर सकेंगी आईटी रिटर्न

● केंद्र ने कंपनियों को राहत देते हुए ऑडिट रिपोर्ट वाले इनकम टैक्स रिटर्न जमा करने

की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 नवंबर कर दी है। दीपावली की वजह से और आईटी पोर्टल पर काम का दबाव बढ़ने से लगातार आ रही दिक्कतों के कारण कई राज्यों के कर सलाहकारों ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की थी। उल्लेखनीय है कि पूर्व में अंतिम तारीख 31 अक्टूबर थी, इस दिन दीपावली भी मनाई जाएगी।

● नार्वे में सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए 15 वर्ष की न्यूनतम आयु सीमा लागू की जाएगी। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे ने कहा कि यह एक कठिन लड़ाई होगी, लेकिन बच्चों को एल्गोरिदम की शक्ति से बचाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। नार्वे में पहले से ही सोशल मीडिया इस्तेमाल करने की न्यूनतम आयु सीमा 13 वर्ष है। इसके बावजूद, नार्वे के मीडिया प्राधिकरण के शोध के अनुसार, नौ वर्ष के आधे से अधिक, दस वर्ष के 58 प्रतिशत और ग्यारह वर्ष के 72 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हैं।

28 अक्टूबर

21वीं पशुधन गणना का हुआ शुभारंभ

● केंद्र सरकार ने 21वीं देशव्यापी पशुधन गणना अभियान की शुरुआत की। हर पांच

वर्ष में होने वाली पशुधन की इस देशव्यापी गणना में सरकार इस बार गाय, बैल से लेकर हाथी तक कुल 15 प्रजातियों की संख्या का पता लगाएगी। इसके अलावा कुक्कुट पक्षियों जैसे एमू तथा शुतुरमुर्ग की भी गणना होगी। केंद्र सरकार ने इस बार पशुधन की गणना का दायरा बढ़ाया है। पशुपालन करने वाली महिलाओं एवं पुरुषों की संख्या को भी दर्ज किया जाएगा। इससे यह पता लगाया जा सकेगा कि पशुपालन में महिलाओं की कितनी भूमिका है। इस अभियान में तकनीकी तौर पर गणना पेपरलेस होगी और कर्मी सही व सटीक जानकारी जुटा सकें इसके लिए डाटा को मोबाइल पर दर्ज किया जाएगा। आईसीएआर-नेशनल ब्यूरो ऑफ एनीमल जेनेटिक रिसोर्सेज की ओर से पहचानी गई जानवरों की 16 प्रजातियों की देशी 219 नस्लों को भी शामिल किया गया है।

● हॉन्गकॉन्ग के यूनेस्को ग्लोबल जियो पार्क में स्थित पोर्ट आइलैंड पर पहली बार डायनासोर के जीवाश्म मिले हैं। विशेषज्ञों ने पुष्टि की है कि ये वे जीवाश्म लगभग 14.5 करोड़ से 6.6 करोड़ वर्ष पहले क्रेटेशियस काल के एक बड़े डायनासोर का हिस्सा थे। हालांकि, डायनासोर की प्रजाति की पुष्टि के लिए उन्हें और अध्ययन करने की आवश्यकता होगी।

29 अक्टूबर

पैरालिसिस के मरीजों के दिमाग के विचारों को पढ़ सकेगा डिवाइस

● आईआईटी मंडी के वैज्ञानिकों ने 'ब्रेन जेपीटी' नाम का डिवाइस एआई तकनीक से तैयार किया है। यह डिवाइस दिमाग में आने वाले विचारों को तरंगों के माध्यम से पढ़ लेता है और जैसा कोई सोच रहा है वैसा ही लिखकर सामने आ जाता है। यह शोध भविष्य में बहुत से कामों में एक नई क्रांति लाने वाला होगा। जो लोग बोल नहीं पाते, पैरालिसिस होने के कारण कुछ भी

बोलने में सक्षम नहीं होते उनके लिए यह डिवाइस वरदान साबित होगा। इस डिवाइस की सटीकता अभी 60 से 70 प्रतिशत है। इसकी सटीकता से बढ़ाने के लिए शोधकर्ता कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

● संयुक्त राष्ट्र के पर्यावरण कार्यक्रम ने वैश्विक तापमान को कम करने के लिए जरूरी उत्सर्जन कटौती पर वार्षिक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दुनिया 3.1 डिग्री तापमान वृद्धि की ओर बढ़ रही है, जो आपदाजनक है। रिपोर्ट में यह भी शामिल है कि अगर सभी देश जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अपने मौजूदा वादों को पूरा करें, तो दुनिया में तापमान वृद्धि 1.8 डिग्री तक सीमित हो सकती है।

30 अक्टूबर

इसरो ने 15 वर्ष का रोडमैप तैयार किया

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने वर्ष 2040 तक का पूरा रोडमैप तैयार कर लिया है। अगले तीन महीने में

पहले गगनयान मिशन का पहला अन-क्रू मिशन लांच होने वाला है। फिर दो रोबोटिक गगनयान जाएंगे, जिसमें ह्यूमनॉइड रोबोट व्योममित्र भेजा जाएगा। इसके बाद वर्ष 2025 के आखिर में या वर्ष 2026 की शुरुआत में अंतरिक्ष यात्री भेजे जाएंगे। वर्ष 2026-27 में इसरो चंद्रयान-4 मिशन लांच करेगा, जिसमें चंद्रमा की सतह से सैंपल लाने की योजना है। इसके बाद चंद्रयान-5 भेजा जाएगा, जो लूपेक्स मिशन कहलाएगा। वर्ष 2028 में स्वदेशी स्पेसक्राफ्ट डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पाडेक्स) का डेमो भी होगा। यह एक ऐसा प्रयोग होगा, जिसमें अंतरिक्ष में घूमते दो स्पेसक्राफ्ट को आपस में जोड़ा जा सकेगा। इसी के साथ वर्ष 2040 में इसरो ने चंद्रमा की सतह पर भारतीयों के कदम रखने की भी योजना बनाई है।

● पृथ्वी की जैव विविधता संकट में है, क्योंकि 10 लाख से अधिक प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, भूमि क्षरण, जल संसाधनों का बहुत अधिक दोहन, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और कुछ खास प्रजातियों का तेज प्रसार, जैव विविधता पर संकट के पांच प्रमुख कारण हैं।

31 अक्टूबर

जेईई मेन-2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया हुई शुरू

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने जेईई मेन-2025 का इंफॉर्मेशन बुलेटिन जारी कर दिया है। इसके साथ ही एनटीए ने जनवरी सेशन के लिए नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। जेईई-मेन का पहला सेशन 22 से 31 जनवरी और दूसरा सेशन 1 से 8 अप्रैल तक के बीच होगा। पहले सेशन के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 22 नवंबर है। दूसरे सेशन की आवेदन की

प्रक्रिया 31 जनवरी से 24 फरवरी के बीच होगी। छात्र जेईई-मेन के दूसरे सेशन के लिए दोबारा आवेदन कर सकते हैं। छात्र चाहें तो अभी ही जनवरी और अप्रैल दोनों सेशन की परीक्षा के लिए एक साथ ही आवेदन कर सकते हैं। पहले सेशन का परिणाम 12 फरवरी को और दूसरे सेशन का परिणाम 17 अप्रैल को ऑल इंडिया रैंक के साथ जारी किया जाएगा।

● अमेरिकी एयरोस्पेस निर्माता रॉकेट लैब ने अनूठी ऑटोमेटेड फाइबर प्लेसमेंट (एएफपी) मशीन बनाई। 90 टन वजनी यह मशीन थ्री-डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी से न्यूट्रॉन रॉकेट बड़ी तेजी से बनाएगी। एएफपी न्यूट्रॉन रॉकेट को बनाने के लिए 1.50 लाख से अधिक मजदूरों का काम अकेले कर सकता है। उल्लेखनीय है कि न्यूट्रॉन रॉकेट दुनिया का सबसे बड़ा कार्बन कम्पोजिट रॉकेट है।

1 नवंबर

जेईई मेन के टाइब्रेकर के नियमों में हुआ बदलाव

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने जेईई मेन-2025 में लागू होने वाले टाइब्रेकर के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। एनटीए ने अब उम्र व एप्लीकेशन नंबर का प्रावधान हटा दिया है। अब तक जिस छात्र की आयु ज्यादा होती थी या जिसने पहले फार्म भरा होता था, उसे अंकों के टाई होने पर ऑल इंडिया मेरिट में वरीयता दी जाती है। अंक समान होने पर टाइब्रेकर हल करने के सात प्रावधान रखे गए हैं। ये सभी फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स में हासिल किए गए अंकों और गलत सवालों के वेटेज पर आधारित हैं।

● वायुसेना की ओर से प्रस्तुत 114 बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमानों की आवश्यकता से सरकार ने सहमति जताई है। वायुसेना अपने बेड़े में चौथी और पांचवीं पीढ़ी के बीच के आधुनिक विमानों की कमी से जूझ रही है। सरकार इन अत्याधुनिक विमानों की खरीद के लिए गैर-विवादित बहु-विक्रेता निविदा प्रक्रिया अपनाने पर विचार करेगी। विक्रेता कंपनी को विमान भारत में ही बनाने होंगे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

सांची नए-नए गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बाजार में लाएगा

भोपाल, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने कहा है कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए दुग्ध उत्पादन से बड़ा कोई रास्ता नहीं है। मध्यप्रदेश सहकारी दुग्ध संघ अपने सांची ब्रांड के माध्यम से नए-नए गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बाजार में ला रहा है। आज सांची ने नेचुरल नारियल पानी लॉन्च किया है, जो कि अत्यंत गुणवत्तापूर्ण और स्वास्थ्यवर्धक है। भविष्य में दुग्ध संघ की माइनर मिलेट्स कोदो-कुटकी के उत्पाद भी बाजार में लाने की योजना है।

श्री पटेल ने भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य डेयरी प्लांट में सांची के नवीन उत्पाद पाश्चुरीकृत नेचुरल नारियल पानी की बिक्री का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वेटरनरी कौंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. उमेश शर्मा, संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पी.एस. पटेल आदि उपस्थित थे। मंत्री श्री पटेल ने स्वयं भी नारियल पानी पिया और उसकी सराहना की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने सांची नारियल पानी का सेवन किया और उसे गुणवत्ता एवं स्वाद युक्त बताया।

श्री पटेल ने कहा कि भोपाल दुग्ध संघ की आय निरंतर बढ़ रही है। इस वर्ष अभी तक लगभग 700 करोड़ का लाभ दुग्ध संघ को हुआ है। दुग्ध संघ निरंतर किसानों के लाभ के लिए कार्य तो कर ही रहा है, संघ के कर्मचारियों के कल्याण में भी पीछे नहीं है। अब किसानों के साथ ही कर्मचारियों का भी बीमा कराया जाएगा।

श्री पटेल ने कहा कि सहकारिता का मूल सिद्धांत है पारदर्शिता और जुड़े हुए हर व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना। हमारी सरकार इसी सिद्धांत पर कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य है दुग्ध उत्पादक किसानों को अधिक से अधिक आमदनी हो और हम इसके लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

श्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व इस वर्ष हमारी सरकार गौ-संरक्षण एवं गौ-संवर्धन वर्ष मना रही है। गायों की सुरक्षा और उनके समुचित पालन पोषण के प्रति जन-सामान्य में जागरूकता लाने के लिए इस वर्ष सरकार गोवर्धन पूजा पर 2 नवंबर को बड़ी गौ-शालाओं में गौ-संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इन कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और इस पावन कार्य में अपना योगदान दें।

भोपाल दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. तिवारी ने बताया कि दूध, दही, श्रीखंड, बूज पेड़ा, केशव पेड़ा, सांची गी और सांची खीर के बाद अब सांची दुग्ध संघ अपना नया उत्पाद शुद्ध नेचुरल और पशुरीकृत 'सांची नारियल पानी' बाजार में लाया है। इसे नारियल उत्पादन क्षेत्र तमिलनाडु के पोलाची (जिला कोयंबटूर) में 200 एम.एल. की बोतल में पैक कराया जा रहा है। इसका बाजार मूल्य रुपये 50 प्रति बोतल रखा गया है और इसकी उपयोग अवधि 9 माह है। इसे तैयार करने के लिए ताजे नारियल से संयंत्र में हैंडस-फ्री तकनीकी से पानी निकाला जाता है और उसे रिटोर्ट मेथड से 99 डिग्री सेंटीग्रेड तापक्रम तक गर्म कर पाश्चुरीकृत कर बॉटल्स में पैक किया जाता है। उन्होंने बताया कि भविष्य में दुग्ध संघ की ब्रेड, चाय पत्ती, चिप्स आदि भी बाजार में लाने की योजना है।

वर्ष 41, अंक 45 04.11.2024 से 10.11.2024

रोज़गार और निर्माण

www rojgaarnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इससे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बना मध्यप्रदेश फ्यूचर रेडी स्टेट

भारत को विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का संकल्प प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लिया है, इस संकल्प को पूरा करने में मध्यप्रदेश सकारात्मक भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में भारत ग्रोइंग नेशन बनकर उभरा है और मध्यप्रदेश फ्यूचर रेडी स्टेट बनने की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की शुरुआत से प्रदेश में स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के साथ राज्य में बड़ी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को मजबूती मिली है। यही नहीं विगत दिनों आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव में विभिन्न 11 औद्योगिक संस्थानों की ओर से 19,650 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। खनिज एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें अपार आर्थिक संभावनाए हैं। खनिज क्षेत्र में रोजगार उत्पन्न करने और देश की इकोनॉमी को तेजी से एक्सेलरेट करने की क्षमता भी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में खनिज क्षेत्र में नई क्रांति आई है। भोपाल में हुई माइनिंग कॉन्क्लेव में खनिज अन्वेषण को गति देना, खनिज प्र-संस्करण, नवीन तकनीकों का उपयोग और पर्यावरण सुरक्षा जैसे विषय पर हुए वैचारिक मंथन से निकला अमृत खनन क्षेत्र में जरूरी नीतिगत सुधारों की पहचान करने और उन्हें लागू करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मध्यप्रदेश में देश की खनिज कैपिटल बनने का भरपूर पोटेंशियल है। देश की कुल खदानों में मध्यप्रदेश की 20 प्रतिशत भागीदारी है। प्रदेश मैंगनीज तथा तांबा अयस्क के उत्पादन में देश में प्रथम, रॉक फॉस्फेट के उत्पादन में द्वितीय, चूना पत्थर के उत्पादन में तीसरे एवं कोयला उत्पादन में चौथे स्थान पर हैं। प्रदेश में मलाजखण्ड की तांबे की खदान भारत की सबसे बड़ी तांबा खदान है। यहां से प्रतिदिन 5 से 10 हजार टन तांबा निकाला जाता है। भारत के कुल ताम्र भण्डार का 70 प्रतिशत मध्यप्रदेश में है। प्रदेश में खदानों एवं खनन उत्पादों की डिजिटल मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जा रही है। अवैध उत्खनन और परिवहन रोकने के लिए एआई-आधारित आई-चैकगेट लगाने की योजना भी है। मध्यप्रदेश, खनिज ब्लॉक नीलामी के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर पहले नंबर पर है। मध्यप्रदेश में 78 खनिज ब्लॉक सफलतापूर्वक नीलाम किए गये जो देश में सर्वाधिक है। साफ नीयत और पारदर्शी नीतियों से पिछले 5 वर्षों में प्रदेश का खनिज राजस्व दोगुना हुआ। प्रदेश में वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इसके पहले प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और प्रदेश के बाहर महानगरों में रोड-शो कर जहां एक ओर निवेश की संभावनाओं को बढ़ाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर फरवरी 2025 में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की भूमिका भी तैयार हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि हम प्रगति के साथ ही प्रकृति का भी ध्यान रख रहे हैं। पेड़, पौधे, नदियां, जीव-जंतु एवं आने वाली पीढ़ियों के कल्याण की भावना हमारी खनन नीतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कार्य प्रणाली ऐसी होना चाहिए, जिससे हमारी धरती माता सदैव रत्नगर्भा बनी रहे। हमारे शरीर के विकास में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के साथ ही अन्य मिनरल्स की महत्वपूर्ण भूमिका है, उसी तरह भारत के विकास में खनिज भी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रदेश में शुरू हुई नई निवेश क्रांति से आजादी के अमृतकाल में मध्यप्रदेश फ्यूचर रेडी स्टेट बनने की ओर तीव्र गति से अग्रसर हो चुका है।

हीरे की धूल के छिड़काव से कम होगी धरती की गर्मी

कार्बन उत्सर्जन बढ़ने के कारण पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसका बुरा असर धरती के दोनों ध्रुवों पर देखने को मिल रहा है। आर्कटिक ग्लेशियर चार गुना ज्यादा तेजी से गर्म हो रहा है जिसके चलते बर्फ पिघलने से समुद्र के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। इन सबके अलावा दुनियाभर के मौसम चक्र में भी अप्रत्याशित बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कहीं पर सूखा पड़ रहा है, तो कहीं पर तबाही मचा देने वाली बारिश हो रही है। वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए अनोखा तरीका सुझाया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि धरती के ऊपरी वायुमंडल में हर साल लाखों टन हीरे की धूल का छिड़काव करने से धरती को ठंडा रखने में मदद मिल सकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि वैश्विक तापमान तेजी से बढ़ रहा है। सिर्फ कार्बन उत्सर्जन घटाकर इस पर नियंत्रण संभव नहीं है। वैज्ञानिकों द्वारा किये गये अध्ययन के अनुसार वायुमंडल में एरोसोल इंजेक्ट करके गर्मी का तापमान कम किया जा सकता है। इस पूरी प्रक्रिया को जियो इंजीनियरिंग कहते हैं।

इस शोध कार्य से जुड़े वैज्ञानिक एस.के. केस्लिन के अनुसार हीरे के कण सूर्य के प्रकाश और गर्मी को परावर्तित करने में सबसे ज्यादा प्रभावी थे। वायुमंडल में लंबे वक्त तक रह सकते थे। साथ ही रासायनिक रूप से निष्क्रिय होने से वे अम्लीय बारिश के लिए प्रतिक्रिया नहीं कर सकते। विशेषज्ञों के अनुसार इस प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती खर्च की होगी। सिंथेटिक हीरे के उत्पादन और वितरण पर अनुमानित खर्च 16, 816 लाख करोड़ रुपये होगा। इसका मतलब है कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था का दोगुना है। इसके अलावा हीरे की धूल के छिड़काव से प्राकृतिक प्रक्रियाओं में बड़े पैमाने पर दखल से अप्रत्याशित नतीजे देखने को भी मिल सकते हैं।

- विकास तिवारी
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

विकसित मध्यप्रदेश के लिये औद्योगिक निवेश का नया इतिहास

मध्यप्रदेश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इन्वेस्टर्स मीट आयोजित करने के क्रम में क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट आयोजित करने का नया अध्याय जोड़ा है। केवल दस माह की अवधि में प्रदेश के पांच संभागीय मुख्यालयों पर 'रीजनल इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव' के आयोजन हुए। इनके अतिरिक्त मुम्बई और कोयम्बटूर में उद्योगपतियों के साथ बैठकें हुईं। इसमें दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश करार हुए। अब फरवरी 2025 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट आयोजित करने की तैयारी आरंभ हो गई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता की सौवीं वर्षगांठ 2047 तक भारत को विश्व की सर्वश्रेष्ठ अर्थशक्ति बनाने का संकल्प लिया है। यह संकल्प तभी पूरा होगा जब देश के सभी प्रांत आत्मनिर्भर और समृद्ध होंगे। समृद्धि की यह यात्रा बहुआयामी होनी चाहिए। जिसमें सबसे पहले तो स्थानीय विशेषता और आवश्यकता को ध्यान में रखकर विकास की नींव रखी जाये और इसके साथ देश और दुनिया की आवश्यकता का आकलन करके अपने भावी विकास की रूपरेखा तय की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार इन सब दिशाओं में विचार करके कदम उठा रही है। सरकार के इस चिंतन की झलक मध्यप्रदेश में संपन्न क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट और इसके माध्यम से उद्योगों की स्थापना के लिये हुए करारों में दिखती है। इसमें मध्यप्रदेश की मौलिक आवश्यकता और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भारत राष्ट्र को सर्वोन्नत बनाने की संकल्पना भी समाहित है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने समृद्ध भारत के लिये तीन मंत्र दिये हैं। पहला 'सबका साथ सबका विकास' दूसरा 'लोकल पर वोकल' और तीसरा 'GYAN का सम्मान' अर्थात स्थानीय आवश्यकता स्थानीय उत्पाद से पूरी हो। गांव-गरीब, किसान, युवा और महिला आत्मनिर्भर बनें और इसमें सभी लोग सहभागी हों। गाँवों की समृद्धि स्थानीय उत्पाद के अनुरूप लघु और कुटीर उद्योग से होगी। स्थानीय उत्पाद पर आधारित ऐसे लघु और कुटीर उद्योग स्थापित हों जो स्थानीय आवश्यकता की पूर्ति के साथ देश के अन्य भागों में भी विक्रय के लिये भेजे जा सकें और इनमें स्थानीय युवाओं और महिलाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार ने इसी धारा पर कार्य आरंभ किया और रीजनल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित करने का अभियान चलाया। प्रदेश के पाँच संभागीय मुख्यालयों पर ऐसी क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट आयोजित हो चुकी हैं। इसके माथ मध्यप्रदेश सरकार दो दिशाओं में काम कर रही है। पहली तो 7-8 फरवरी 2025 को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट आयोजित की जाएगी और इसके बाद अगले चरण में ऐसी समिट बड़े जिला केन्द्रों पर करने का भी प्रयास होगा। अब तक संपन्न इन पांचों क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट में हुए करारों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी विकास और क्षेत्रीय स्तर की समिट में स्थानीय आवश्यकता और विशेषताओं को भी ध्यान में रखा गया है।

मध्यप्रदेश की दो विशेषताएं हैं एक तो यह प्राकृतिक विविधता से युक्त है और दूसरे युवा शक्ति से भरपूरा मध्यप्रदेश को प्राकृतिक विशिष्टताओं की दृष्टि से कुल ग्यारह नेचुरल जोन माने गये हैं। किसी क्षेत्र की प्राकृतिक विविधता का प्रभाव वहां के प्राकृतिक उत्पाद में देखा जा सकता है। इसीलिए हर क्षेत्र में होने वाले फल, फूल, सब्जी एवं फसल आदि ही नहीं खनिज पदार्थों में भी विविधता होती है। जैसे मध्यप्रदेश में कहीं शरबती गेहूं तो कहीं तुअर दाल अच्छी होती है। कहीं कपास की खेती अच्छी होती है तो कहीं चावल की। खनिज की दृष्टि से भी कहीं हीरा निकलता है तो कहीं चूना पत्थर, कहीं बॉक्साइट तो कहीं कोयला अच्छा मिलता है। मध्यप्रदेश सरकार ने इन करारों में क्षेत्र की प्राकृतिक विशेषताओं, फसलों, खनिजों और स्थानीय मनोविज्ञान को ध्यान में रखकर ही उद्योगों का चयन किया है। जैसे रीवा, उज्जैन और ग्वालियर में बड़े उद्योगों के जो करार हुये हैं उनमें इस बात का ध्यान रखा गया है कि उन उद्योगों से संबंधित सहायक लघु उद्योगों में स्थानीय उत्पाद और कौशल का उपयोग हो ताकि स्थानीय युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार एवं विकास के अन्य अवसर मिल सकें। निवेश के करार तो पिछली सरकारों में भी हुए हैं, क्षेत्रीय इंडस्ट्रियल एरिया भी विकसित हुए हैं। मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास में उसकी झलक भी दिखाई दे रही है। डॉ. मोहन यादव सरकार ने औद्योगिक विकास की इस दिशा में स्थानीय उत्पाद और क्षेत्रीय विशेषताओं को जोड़ा और इसी आधार पर क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट का एक नया अध्याय रचा है। सरकार के मात्र दस माह के कार्यकाल में इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर और रीवा में पांच क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट संपन्न हुई। इसके अतिरिक्त मुम्बई और कोयम्बटूर में उद्योगपतियों के साथ बैठकें हुईं। इन बैठकों और समागमों में दो लाख करोड़ रुपये से भी अधिक के निवेश के प्रस्ताव आये। इसके साथ लगभग एक लाख युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होने का मार्ग बना है। मध्यप्रदेश को औद्योगिक आयाम देने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुल 121 बैठकें की हैं। इन बैठकों में जो निवेश करार हुए उनके अतिरिक्त ग्लोबल समिट की तैयारी भी है। जिसमें भारत ही नहीं विदेशी निवेशक भी भाग लेंगे। विदेशी निवेशक क्षेत्रीय समिट में आये थे, लेकिन फरवरी की इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में कुछ बड़े अंतर्राष्ट्रीय उद्योग समूहों और उनके प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जा रहा है।

युवाओं और महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिये डॉ. मोहन यादव सरकार केवल उद्योग स्थापना पर ही जोर नहीं दे रही अपितु पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास पर भी जोर दे रही है। मध्यप्रदेश सरकार ने कुछ निवेशकों को पर्यटन केन्द्र विकसित करने से भी जोड़ा है। इसमें कूनो, चंदेरी, हनुवंतिया, मांडव, गांधीसागर आदि को महत्वपूर्ण पर्यटन केन्द्र तथा ओंकारेश्वर और उज्जैन आदि को पर्यटन सुविधाओं का विस्तार शामिल है। पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन दोनों से ही परिवारों को रोजगार मिलता है तथा स्थानीय उत्पाद की बिक्री होती है। मध्यप्रदेश सरकार का प्रयास है कि पर्यटकों के माध्यम से स्थानीय उत्पाद की पहचान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बने। इसे ध्यान में रखकर ही निवेश करारों पर हस्ताक्षर हुए। आशा की जा रही है कि इससे लगभग एक लाख युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार के साथ इतने ही परिवारों को परोक्ष रोजगार भी उपलब्ध होगा। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किये गये निवेश प्रस्तावों के अनुसार चार प्रकार के उद्योग स्थापित होंगे। लघु, लघु-मध्यम, मध्यम और बड़ी औद्योगिक इकाइयाँ। स्थानीय उत्पाद और आवश्यकता पर आधारित लघु और मध्यम इकाइयों के साथ बड़ी इकाइयां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आवश्यकता एवं पसंद को ध्यान में रखकर स्थापित की जा रही हैं। निवेशकों से आये इन प्रस्तावों में कपड़ा, सीमेंट, इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल और ऑटो कम्पोनेंट, फार्मा और ऑप्टिकल फाइबर जैसे उत्पादों के साथ प्रतिरक्षा एवं आयुध निर्माण के करारों पर भी हस्ताक्षर हुए। यह मध्यप्रदेश सरकार की प्रस्तुति है कि निवेशकों में राज्य में निवेश के लिये आकर्षण बढ़ा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी कोयम्बटूर यात्रा में मध्यप्रदेश सरकार का अपना एक उद्योग विकास कार्यालय स्थापित करने की घोषणा भी की ताकि दक्षिण भारत के निवेशकों को मध्यप्रदेश में काम करने में सुविधा हो सके। मध्यप्रदेश में संपन्न इन क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट्स में आने वाले निवेशक मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास की संभावनाओं और राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से प्रभावित हुए। लगभग सभी समिट में निवेशकों ने इसकी खुलकर प्रशंसा की।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव एक नजर में

मध्यप्रदेश के अलग-अलग शहरों में शुरू हुई रीजनल इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव और देश के चार शहरों में हुए मुख्यमंत्री के रोड शो से एक नया ट्रेंड भी सामने आ गया है। सभी विकसित देशों के साथ अब मध्यप्रदेश में भी नवकरणीय ऊर्जा पर ही फोकस किया जा रहा है। अब तक की पांच रीजनल कॉन्क्लेव और चार रोड शो के बाद मध्यप्रदेश को दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

जिला-उज्जैन
कुल निवेश प्रस्ताव-एक लाख करोड़
जिला-ग्वालियर
कुल निवेश प्रस्ताव- 8 हजार करोड़
जिला-जबलपुर
कुल निवेश प्रस्ताव
12 हजार 375 करोड़
जिला-रीवा
कुल निवेश प्रस्ताव
30 हजार 814 करोड़
जिला-सागर
कुल निवेश प्रस्ताव-23 हजार 181 करोड़

रमेश शर्मा
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान, म.प्र. अधारताल, जबलपुर

क्रमांक/1777/काम-58/2024-25 जबलपुर, दिनांक 25.10.2024

कोर संकाय सदस्य के रिक्त पद पर संविदा नियुक्ति हेतु विज्ञापन

संस्थान में कोर संकाय सदस्य संविदा पर नियुक्ति हेतु पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवारों से **http://www.mponline.gov.in/** की वेबसाइट पर दर्शित प्रारूप में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। इन पदों के आवेदन पत्र एवं संबंधित जानकारी व संशोधन समय-समय पर **http://www.mponline.gov.in/** की वेबसाइट पर प्रदर्शित किये जावेंगे। एमपी ऑनलाइन पर आवेदन करने का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	विवरण	तिथि
1.	एमपी ऑनलाइन पर ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ की तिथि	8 नवम्बर, 2024 प्रातः 11:00 बजे से
2.	एमपी ऑनलाइन पर ऑनलाइन आवेदन (भुगतान सहित) करने की अंतिम तिथि	22 नवम्बर, 2024 रात्रि 11:59 तक

म.प्र. माध्यम/117099/2024 R-50222/2024 **संचालक**

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड

(मध्यप्रदेश शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग का उपक्रम)
5, अमरकंटक भवन, इन्दिरा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, भोपाल-11
फोन : 91755-2763060, 61, 62, ई-मेल : mpusipbpl@gmail.com

क्र. MPUDC/PMU/2024/9012 दिनांक : 30.10.2024

प्रतिनियुक्ति/संविदा नियुक्ति हेतु विज्ञापन

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, मुख्यालय भोपाल में कंपनी सचिव के रिक्त पद पर संविदा पर नियुक्ति हेतु निम्नानुसार आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं:-

क्र.	पदनाम	पद संख्या	एकमुश्त वेतन
01	कंपनी सचिव	01	80,000

नोट :-

1. आवेदन पत्र **दिनांक 18.11.2024 सायं 05:00 बजे तक** कंपनी के कार्यालय में डाक अथवा व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किये जा सकते हैं। लिफाफे पर आवेदित पद का नाम अंकित करें। समय सीमा के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
2. आवेदन का प्रारूप, पदों के लिये न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तथा अनुभव संबंधी विस्तृत विवरण, कम्पनी की वेबसाइट **www.mpudc.co.in** पर उपलब्ध है।
3. आवेदन के संबंध में प्रबंध संचालक का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

म.प्र. माध्यम/117170/2024 **अतिरिक्त प्रबंध संचालक**

R-50224/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल
क्र./1338, 1342/तशा/प.यं./2024 दिनांक : 30.10.2024

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में मरम्मत/रेनोवेशन/नवीनीकरण/संधारण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2024_MPPHC_379676_1, 2024_MPPHC_379711_1 दिनांक 09.11.2024 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/117175/2024 R-50225/2024 **परियोजना यंत्री**

M.P. POWER TRANSMISSION CO. LTD.

Office of Chief Engineer (EHT-Maintenance)
Block No. 3, Shakti Bhawan, Rampur, Jabalpur

TENDER-NOTICE

GeM Bid No. GeM/2024/B/5478273, Dtd. 25.10.2024

ONLINE tenders are invited for purchase of 444 Nos. mobile handset of reputed brand through Government E-Marketplace (GeM) Portal as per details given in the bid document. **EMD - Rs. 67,000/- only**
Due date of opening of bid 18.11.2024
For further details, please visit GeM Portal www.gem.gov.in

MPM/117098/24 **//Save Energy// CHIEF ENGINEER (EHT-Maint.)**

R-50221/2024

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता शासकीय स्वशासी गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर

क्रमांक 33920/स्था/विज्ञप्ति/2024 **दिनांक : 25.10.2024**

विज्ञप्ति

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर के पत्र क्रमांक 32963/स्था. राज/2024 दिनांक 18.10.2024 सहायक प्राध्यापक के सीधी भर्ती के रिक्त पदों हेतु विज्ञापन प्रकाशित करने हेतु आपकी ओर भेजा गया था, जिसमें आवेदन पत्र जमा करने की **अंतिम दिनांक 14.11.2024** थी। जो दिनांक 25.10.2024 को समाचार पत्रों में भी प्रकाशित किया जा गया है। जारी विज्ञप्ति को अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती है। विज्ञप्ति को निरस्त करने की सूचना प्रकाशित करने की कार्यवाही हेतु आपकी ओर प्रेषित है।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

जी-18221/50215/2024 **स्वशासी गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)**

कार्यालय मुख्य अभियंता रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना बरगी हिल्स, जबलपुर

ई-मेल : cerablsp@yahoo.co.in, फोन नं. : 0761-2672230, 2672210, फैक्स : 0761-2673732

निविदा आमंत्रण सूचना

पत्र क्र./11/39/सा/2024-25 **दिनांक : 24.10.2024**
निविदा सूचना क्र. 03/सा/मु.अ./2024-25 **दिनांक : 24.10.2024**

निम्न कार्यों की ऑनलाइन निविदा ई-प्रीक्वोरमेंट सिस्टम पोर्टल से वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर जारी की गई है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है -

कार्य का विवरण	टर्न की आधार पर रायसेन जिला बरेली तहसील मध्यप्रदेश में ग्राम घाट पिपरिया में तट संरक्षण कार्य के अंतर्गत आर.सी.सी. घाट निर्माण आर.सी.सी. रिटेनिंग वॉल एवं आर.सी.सी. एप्रोच रोड निर्माण के कार्य सहित तीन वर्ष का रख-रखाव कार्य कराना।
अनुबंध की अनुमानित राशि (रु. करोड़ में)	6.56 करोड़
धरोहर राशि (रु. लाख में)	रु. 6.56 लाख
निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	रु. 50,000/- (वापसी योग्य नहीं)
ऑनलाइन निविदा क्रय करने का दिनांक	24.10.2024, 17.30 से 11.11.2024, 17.30 तक
ऑनलाइन निविदा दस्तावेज जमा करने का दिनांक	**24.10.2024, 17.30 से 11.11.2024, 17.30 तक**
प्रपत्र खोलने का दिनांक	13.11.2024

निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड या इन्टरनेट बैंकिंग खाते से भुगतान करने के उपरांत केवल ऑनलाइन क्रय किया जा सकता है। निविद की विस्तृत जानकारी के लिये उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

मुख्य अभियंता
रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना

जी-18290/50216/2024 **बरगी हिल्स, जबलपुर**

कार्यालय मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ce.tender.wrdmp@gmail.com
फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1109/2024-25/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक 28.10.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 14.11.2024 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2024_WRD_375096	केन-बेतवा लिंक परियोजना अंतर्गत 2,50,000/- हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित करने हेतु पतने बांध, व्यारमा बैराज 1 एवं 2, व्यारमा जलाशय एवं प्रेशराईज्ड पाईप नहर प्रणाली निर्माण हेतु विस्तृत सर्वेक्षण एवं डीपीआर तैयार करने का कार्य।	पन्ना	3047.99

जी-18310/50217/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल

क्र. 1593/2024 **शहडोल, दिनांक : 30.10.2024**

विज्ञापन सूचना

वाहन क्रय किये जाने संबंधी निविदा **mptenders.gov.in** पोर्टल पर निविदा क्रमांक 2024_PSNSU_375942_2 प्रकाशित की गई है।

आर-50220/2024 **कुलसचिव**

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश शासन
कार्यालय पश्चिम छिंदवाडा वनमण्डल छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश
ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 10/ई-टेंडरिंग/2024-25 दिनांक

1. वनमण्डलाधिकारी पश्चिम छिंदवाड़ा वनमंडल छिंदवाड़ा द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित-2022) के अन्तर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

Items	Technical Specification Details
(1) Galvanised Steel Chain Link Fence	Mesh Wire Galvanised Steel wire of 4 mm diameter Fabric Size-100x100 mm Height - 150 cm Line Wire-2 numbers of line wires of 4.00 mm diameter Standard – Conforming to IS - 2721-2003, with up to date amendments
	Mesh Wire Galvanised Steel wire of 3.15 mm diameter Fabric Size - 75x75 mm Height - 150 cm Line Wire - 2 numbers of line wires of 4.00 mm diameter Standard - Conforming to IS- 2721-2003, with up to date amendments

Purchase of tender start date and time निविदा क्रय की प्रारंभिक तिथि	12.11.2024 Time 01.00 PM
Bid submission start date and time निविदा दर प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	12.11.2024 Time 01.00 PM
Bid submission closing date and time निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	26.11.2024 Time 01.00PM
Bid Opening date and time निविदा खोलने की तिथि एवं समय	27.11.2024 Time 02.00PM

वनमंडलाधिकारी

जी-18358/50218/2024 **पश्चिम छिन्दवाड़ा वनमंडल**

M. P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP. LTD.

(Government of Madhya Pradesh Undertaking) (CIN : U51102MP1977SGC001392)
SECRETARIAT FOR SINGLE WINDOW SYSTEM
21, Arera Hills, Bhopal-462011, M.P. (India), Tel. : (91) 0755-2571830, 2575618, 3523555, 3523505
E-Mail: helpdesk@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in

क्र. 193/एमपीआईडीसी/स्था./से.नि.-17/2024/11637 दिनांक : 29.10.2024

सूचना

एमपी इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (Website : www.invest.mp.gov.in)

एमपी इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भोपाल द्वारा विज्ञापन दिनांक 21.08.2024 के माध्यम से **'दिव्यांगजनों'** हेतु प्रबंधक एवं सहायक यंत्री (सिविल) के आरक्षित पदों पर भर्ती प्रक्रिया एमपी ऑनलाइन के माध्यम से सम्पादित कराई जा रही है जिसमें आवेदन करने की अंतिम तिथि दिनांक 10.10.2024 निर्धारित की गई थी।

उक्त दोनों पदों में से मात्र सहायक यंत्री पद हेतु आवेदन करने की तिथि में एतद द्वारा वृद्धि करते हुए **अंतिम तिथि 15 नवम्बर, 2024** निर्धारित की जाती है। सहायक यंत्री (सिविल) के पद हेतु इच्छुक अभ्यर्थी निगम की वेबसाइट **www.invest.mp.gov.in** अथवा एमपी ऑनलाइन की वेबसाइट **www.mponline.gov.in** पर प्रदर्शित विस्तृत विज्ञापन दिनांक 21.08.2024 के अनुसार निर्धारित तिथि तक एमपी ऑनलाइन की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/117144/2024 R-50223/2024 **कार्यकारी संचालक (प्रशा.)**

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

मानसिक योग्यता परीक्षण

1. एक खेल प्रतियोगिता में पांच विजेताओं को 500 के मूल्य के नकद पुरस्कार देने का निश्चय किया गया। यह निश्चित किया गया कि प्रत्येक पुरस्कार की राशि उसके पहले वाले पुरस्कार से 10/- कम होगी। पुरस्कार की न्यूनतम राशि होगी।
(अ) 80 (ब) 75
(स) 70 (द) 90

उत्तर (अ) 80
हल - मानाकि पहला पुरस्कार x राशि का है तो दूसरा पुरस्कार होगा x-10, तीसरा x-20, चौथा x-30 और पांचवा x-40 का।
प्रश्न के अनुसार है $x + x-10 + x-20 + x-30 + x-40 = 500$ है।
अतः $5x-100 = 500$
$5x = 500 + 100$
$5x = 600 = x = \frac{600}{5} = 120$
पहला पुरस्कार 120/- का होगा और अंतिम पुरस्कार होगा x-40 = 120-40 = 80/- का।

2. अगली संख्या बताइये 1, 2, 8, ? -
(अ) 128 (ब) 131
(स) 150 (द) 152

उत्तर (अ) 128
हल - 1 × 1 = 1, 1 × 2 = 2, 2 × 4 = 8, 8 × 16 = 128

3. सुनील और दीपक एक बिंदु से विपरीत दिशा में चलना प्रारम्भ करते हैं। प्रत्येक 2 किमी. की दूरी पर, सुनील हमेशा बाईं ओर मुड़ता है तथा दीपक हमेशा दाईं ओर मुड़ता है। निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है।
(अ) वे, दोनों 6 किमी. की दूरी तय करने के बाद मिलते हैं।
(ब) वे, एक दूसरे से कभी नहीं मिलते हैं
(स) वे, पहली बार, प्रत्येक के द्वारा 8 किमी. की दूरी तय करने के बाद मिलते हैं।
(द) उपरोक्त सभी कथन असत्य हैं।

उत्तर (अ) वे, दोनों 6 किमी. की दूरी तय करने के बाद मिलते हैं।
हल -

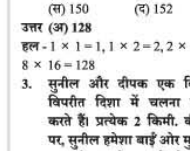

4. किसी शब्द विन्यास में निम्न अनुक्रम पर विचार कीजिये -
ccbab__caa__bccc__a__
रिक्त स्थानों पर कौनसे अक्षर आयेंगे -
(अ) baab (ब) babb
(स) bbba (द) babc

उत्तर-(ब) babb
हल - ccba/bbca/aabc/ccba/b

5. अंकित, भोला से दोगुना अच्छा कारीगर है। वे दोनों मिलकर किसी कार्य को 28 दिनों में पूरा कर सकते हैं। अंकित अकेले उस कार्य को कितने दिनों में पूरा करेगा -
(अ) 32 (ब) 42
(स) 46 (द) 48

उत्तर (ब) 42
हल - अंकित का कार्य/भोला का कार्य = 2/1
अंकित और भोला कार्य को 28 दिनों में पूरा करते हैं। अतः दोनों के एक दिन का कार्य होगा 1/28, अगर अंकित और भोला के बीच 1/28 कार्य बांटे तो भोला का कार्य 1/28 × 1/3 होगा।
अतः अंकित का एक दिन का कार्य होगा (1/28 × 2/3) = 1/42
इस तरह अंकित अकेले एक कार्य को 42 दिन में पूरा करेगा।

6. रंजन दीपिका का पिता है, जो श्याम की बहिन है। संगीता श्याम की माँ है। सुनीता संगीता की सास है। रंजना सुनीता की पुत्री है। रंजना का रंजन से क्या रिश्ता है -
(अ) बहन (ब) भतीजा
(स) चाची (द) माँ

उत्तर (अ) बहन
हल - रंजन की माँ सुनीता है जो रंजना की माँ हैं। अतः दोनों भाई बहन हैं।

7. किसी परिवार में A कहता है कि, B मेरी पुत्री है। B कहती है कि C मेरे पिता है। C कहता है कि, D मेरी माँ है तो D, B से किस प्रकार संबंधित है -
(अ) साली (ब) पत्नी
(स) दादी (द) दादा

उत्तर (स) दादी
हल -

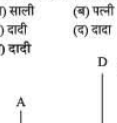

अतः A और C पति-पत्नी हुये तथा D, B की दादी हुई।

8. पांच संख्या 10, 7, 5, 4 तथा 2 को नीचे दिये हुये निर्देशों के अनुरूप बाएं से दाएं एक क्रम में व्यवस्थित करना है -
1. कोई भी दो सम या विषम संख्यायें एक दूसरे के बगल में नहीं होंगी।
2. बाईं ओर से दूसरी संख्या, सबसे बाईं ओर की संख्या से आधी है।
3. बीच वाली संख्या सबसे दाईं ओर की संख्या से दुगुनी है। दाईं ओर से तीसरी संख्या निम्न में से कौनसी है।
(अ) 10 (ब) 4
(स) 7 (द) 5

उत्तर (ब) 4
हल - व्यवस्थित क्रम होगा - 10, 5, 4, 7, 2

9. किसी व्यक्ति ने 25000/- 10% चक्रबृद्धि ब्याज दर उधार लिये। पहले वर्ष के अंत पर उसने 10000/- एवं दूसरे वर्ष के अंत पर 10000/- चुकाये। पूरा ऋण चुकाने के लिये उसे तीसरे वर्ष कितने रुपये का भुगतान करना होगा -
(अ) 10000 (ब) 15000
(स) 10175 (द) 9000

उत्तर (स) 10175
हल - पहले वर्ष के अंत में ब्याज $\frac{P \times R \times T}{100}$
$\frac{25000 \times 10 \times 1}{100} = 2500$
मिश्रधन = मूलधन + ब्याज
25000 + 2500 = 27500
पहले वर्ष उसने 10000/- चुकाये तो नया मूलधन होगा
27500 - 10000 = 17500
दूसरे वर्ष के अंत में ब्याज = $\frac{17500 \times 10 \times 1}{100}$
= 1750/-
मिश्रधन = 17500 + 1750 = 19250
तीसरे वर्ष का मूलधन होगा
19250- 10000 = 9250
तीसरे वर्ष के अंत में ब्याज = $\frac{9250 \times 10 \times 1}{100}$
= 925
तीसरे वर्ष का मिश्रधन = 9250 + 925
= 10175/-
जो कि व्यक्ति को चुकाना है।

10. यदि 789 = 6, 578 = 4 हो तो 979 = होगा -
(अ) 7 (ब) 6
(स) 8 (द) 9

उत्तर (अ) 7
हल - 789 ⇒ 7 + 8 - 9 = 6
578 ⇒ 5 + 7 - 8 = 4
979 ⇒ 9 + 7 - 9 = 7

11. एक छात्र को पांच विषयों में कुल 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हुये। उसके द्वारा प्राप्त अंकों का अनुपात 10 : 9 : 8 : 7 : 6 है। यदि उत्तीर्णांक, अधिकतम अंक का 40 प्रतिशत है तथा सभी विषयों के अधिकतम अंक समान हैं तो उसने कितने विषयों में परीक्षा उत्तीर्ण की -
(अ) 4 (ब) 5
(स) 2 (द) 3

उत्तर (अ) 4
हल - मानाकि प्रत्येक विषय का अधिकतम अंक 100 है।
उत्तीर्णांक है 40% अर्थात प्रत्येक में 40 नंबर विद्यार्थी के द्वारा प्राप्त किये गये कुल अंक 50% है। अर्थात = 500 का 50% याने 250 अंक।
विद्यार्थी को पहले विषय में प्राप्त अंक
$250 \times \frac{10}{40} = 62.50$
दूसरे विषय में प्राप्त अंक $250 \times \frac{9}{40} = 56.25$
तीसरे विषय में प्राप्त अंक $250 \times \frac{8}{40} = 50$
चौथे विषय में प्राप्त अंक $250 \times \frac{7}{40} = 43.75$
पांचवे विषय में प्राप्त अंक $250 \times \frac{6}{40} = 37.50$
अतः विद्यार्थी ने चार विषयों में सफलता प्राप्त की है।

12. हरित क्रांति के बारे में कथनों पर विचार कीजिये इसमें से सही कथन कौन-कौन से हैं -
(अ) हरित क्रांति में चावल और गेहूँ जैसे अनाज पर ही मुख्य रूप से जोर दिया गया था।
(ब) मिट्टी की उर्वरता में वर्ष दर वर्ष कमी हुई
(स) सभी असत्य हैं
(द) उपरोक्त सभी कथन सही हैं।

उत्तर (द) उपरोक्त सभी कथन सही है।

13. हरीश 1,00,000/- रुपयों को दो भागों में विभाजित करता है और दो विभिन्न स्कीमों में निवेश करता है। पहले भाग पर 10% तथा दूसरे भाग पर 12% का लाभ मिलता है। यदि लाभ के प्रतिशत की अदला बदली कर दी जाये तो वह पहले से 120/- कम प्राप्त करता है। दोनों स्कीमों में निवेश का अनुपात होगा -
(अ) 47 : 53
(ब) 37 : 63
(स) 50 : 50
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर (अ) 47 : 53

14. लुप्त संख्या ज्ञात कीजिये -
8, 14, ?, 42, 76
(अ) 42 (ब) 24
(स) 8 (द) 76

उत्तर (ब) 24
हल - 8 × 2 - 2 = 14, 14 × 2 - 4 = 24
24 × 2 - 6 = 42, 42 × 2 - 8 = 76

15. P, Q का भाई है। R, P का भ्राता है। S, R का पिता है और T, P का पुत्र है। P, T के बच्चे से किस प्रकार संबंधित है -
(अ) पिता (ब) दादा
(स) भाई (द) चाचा

उत्तर (ब) दादा
हल - S पिता R का
|
R माता P का
|
P - Q भाई
|
T पुत्र P का अतः T का पुत्र P का पोता होगा यानी P, T के बेटे का दादा होगा।

16. किसी कार्य के समापन में देरी के लिये अर्थदंड का प्रावधान है। अर्थदंड पहले दिन के लिये 50/-, दूसरे दिन के लिये 60/-, तीसरे दिन के लिये 70/- है। अर्थात हर अगले दिन के लिये अर्थदंड पूर्व दिन के दंड से 10/- अधिक है। यदि किसी व्यक्ति को कार्य समाप्ति में 10 दिन अधिक लगते हैं तो उसे कितना अर्थदंड देना होगा -
(अ) 950 (ब) 900
(स) 1000 (द) 1050

उत्तर (अ) 950
हल - 10 दिन के लिये दिये जाने वाला दंड 50 + 60 + 70 + 80 + 90 + 100 + 110 + 120 + 130 + 140 = 950/-

17. अंग्रेजी वर्णमाला में ऐसे कितने शब्द हैं, जो दर्पण में देखने पर एक समान दिखाई देते हैं -
(अ) 11 (ब) 10
(स) 12 (द) 9

उत्तर (अ) 11
हल - A, H, I, M, O, T, U, V, W, X, Y

18. एक पिता और पुत्री एक साथ चलने से पहले अपने बाएं पैर के साथ बाहर निकलते हैं। जब पिता 3 पग चलता है तो बेटी 2 पग चलती है। तो बतायें कि कब वे दोनों अपने दाहिने पैरों को एक साथ रखेंगे -
(अ) पाँच पग के बाद
(ब) बेटी के पांच पग चलने के बाद
(स) कभी नहीं
(द) ज्ञात नहीं किया जा सकता है

उत्तर (स) कभी नहीं
हल - बाएं पैर से शुरुआत करने पर पिता 3 पग चलता है तो बेटी दो पग चलती है अर्थात पिता का तीसरा पग बाएं पैर पर पड़ता है। बेटी का दूसरा पग दाएं पैर पर। यही क्रम चलता रहेगा। अतः दोनों कभी एक साथ नहीं होंगे।

19. किसी घड़ी में 4 बजे से 6 बजे तक समय बदलने पर घंटे की सुई कितने डिग्री घूम जायेगी -
(अ) 60° (ब) 30°
(स) 90° (द) 180°

उत्तर (अ) 60°
हल - घंटे की सुई 1 घंटे में 30° का कोण बनाती है। अतः दो घंटे में 60° का कोण बनेगा।

20. स्नेहा का जन्मदिन 15 अगस्त को और पिंकी का जन्मदिन 25 जून को आता है। यदि स्नेहा का जन्मदिन शुक्रवार को है तो पिंकी का जन्मदिन उसी वर्ष किस दिन आयेगा -
(अ) सोमवार (ब) बुधवार
(स) गुरुवार (द) शुक्रवार

उत्तर (ब) बुधवार
हल - स्नेहा का जन्मदिन 15 अगस्त
पिंकी का जन्मदिन 25 जून
25 जून से 15 अगस्त के बीच दिनों की संख्या
जून (5) + जुलाई (31) + अगस्त 15 = 51 दिन
51 दिनों में से दो विषम दिन = 2
अतः पिंकी का जन्मदिन शुक्रवार - 2 = बुधवार को होगा।

21. एक घड़ी प्रत्येक दिन 15 मिनिट आगे हो जाती है। यदि उसे दोपहर 12 बजे सही समय पर सेट किया जाता है तो अगले दिन प्रातः 4 बजे घड़ी में कितना समय दिखेगा -
(अ) 4 : 10 (ब) 4 : 15
(स) 4 : 07 (द) 4 : 12

उत्तर (अ) 4 : 10
हल - घड़ी 24 घंटे में 15 मिनट आगे होती है दोपहर 12 बजे से लेकर सुबह 4 बजे तक समय = 16 घंटे समय का अंतर 15/24 × 16 = 10 मिनिट अर्थात घड़ी 4 : 10 दिखाएगी।

22. किसी टैंक में पानी प्रति मिनिट दोगुना हो जाता है यदि टैंक में 120 मिनिट में पानी भर जाता है तो खाली टैंक कितने समय बाद आधा भरेगा -
(अ) 56 मिनिट
(ब) 60 मिनिट
(स) 119 मिनिट
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर (स) 119 मिनिट

23. चांदनी का परिचय करवाते हुये ममता ने कहा कि यह मेरे पिता की एकमात्र पुत्री की एकमात्र पुत्री है। ममता का चांदनी से क्या संबंध है -
(अ) मौसी
(ब) माँ
(स) चाची
(द) नानी

उत्तर (ब) माँ
हल - चांदनी ममता की पुत्री है अतः ममता चांदनी की माँ हुई।

24. नीचे दी गई श्रृंखला में प्रश्नवाचक चिन्ह के स्थान पर कौनसी संख्या आयेगी -
12, 18, 36, 90, 270, ?
(अ) 945 (ब) 947
(स) 963 (द) 983

उत्तर (अ) 945
हल - 12 × 1.5 = 18, 18 × 2 = 36, 36 × 2.5 = 90, 90 × 3 = 270, 270 × 3.5 = 945

25. 'अ' ने अपनी एक लाख रुपयों की संपत्ति का वितरण बेटे, बेटी एवं भाई में 6 : 3 : 1 में किया तो भाई को बेटे से कितने रुपये कम मिले -
(अ) 50,000
(ब) 40000
(स) 30000
(द) 20000

उत्तर (अ) 50,000
हल - बेटे को 60000, बेटी को 30000 और भाई को 10000 मिलेंगे।

26. एक कक्षा में 7 छात्रों की आयु का औसत 22 वर्ष है। अन्य 14 छात्रों का आयु का औसत 21 वर्ष है। अन्य 20 छात्रों की आयु का औसत 25 वर्ष है। कुल कक्षा की आयु का औसत है -
(अ) 24
(ब) 23.121
(स) 25
(द) 26

उत्तर (ब) 23.121
हल - 7 छात्रों की कुल आयु = 22 × 7 = 154
14 छात्रों की कुल आयु = 21 × 14 = 294
20 छात्रों की कुल आयु = 25 × 20 = 500
41 छात्रों की औसत आयु = 948 ÷ 41 = 23.121

27. अजय ने कहा कि यह लड़की मेरी माँ के पोते की पत्नी है। अजय का उस लड़की से संबंध बताइये -
(अ) नाना (ब) पिता
(स) ससुर (द) जेठ

उत्तर (स) ससुर

28. अनुज अपनी पत्नी से 3 वर्ष बड़ा है और उसकी उम्र अपने बेटे की 4 गुना है। अगर बेटा 3 वर्ष बाद 15 वर्ष का हो जाता है तो उसकी पत्नी की वर्तमान उम्र क्या है -
(अ) 45 वर्ष
(ब) 40 वर्ष
(स) 48 वर्ष
(द) 52 वर्ष

उत्तर (अ) 45 वर्ष
हल - बेटे की उम्र 3 वर्ष बाद होगी 15 वर्ष अतः वर्तमान में बेटे की उम्र है 15 - 3 = 12 वर्ष
अनुज बेटे से चार गुना बड़ा है अतः अनुज की उम्र होगी 12 × 4 = 48
अनुज की पत्नी अनुज से 3 वर्ष कम है 48 - 3 = 45 वर्ष

29. हेमंत दो कर्मचारियों में रु. 15600, 7 : 5 में बांटता है। दोनों द्वारा प्राप्त धन में कुल कितना अंतर है -
(अ) 7100
(ब) 6500
(स) 2600
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर (स) 2600
हल - पहले को मिलेगा 15600/12 × 7 = 9100
दूसरे को मिलेगा 15600/12 × 5 = 6500
दोनों का अंतर होगा = 2600

- डॉ. माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

वैदिककालीन शिक्षा व्यवस्था

1. प्राचीन शिक्षा व्यवस्था के अंतर्गत सूत्र काल की शिक्षा पद्धति के संदर्भ में 'दण्डनीति' शिक्षा विषय का संबंध किससे था?
अ. राजनीति शास्त्र
ब. धर्मशास्त्र
स. अमरत्व
द. न्याय शास्त्र
उत्तर- अ. राजनीति शास्त्र

2. वैदिककालीन 'सद्योदहा' से आप क्या समझते हैं?
अ. वे महिलाएं जो आजीवन शिक्षा जारी रखती थीं।
ब. वे महिलाएं जो विवाह तक शिक्षा जारी रखती थीं।
स. वे महिलाएं जो शिक्षा ग्रहण नहीं करती थीं।
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. वे महिलाएं जो विवाह तक शिक्षा जारी रखती थीं।

3. भारतीय गुरुकुल व्यवस्था के अंतर्गत 'अंतेवासी' किसे कहा जाता था?
अ. गुरु ब. पालक
स. विद्यार्थी द. गरुकुल
उत्तर- स. विद्यार्थी

4. प्राचीनकालीन वे ग्राम जिन्हें शिक्षा का केन्द्र बनाकर राजा विद्वानों को बसाते थे तथा उनके निर्वाह की व्यवस्था करते थे, उन्हें क्या कहा जाता था?
अ. अग्रहारम ब. गोष्ठी
स. परिषद् द. नैष्ठिक
उत्तर- अ. अग्रहारम

5. निम्नलिखित में से कौनसी शाखा का संबंध ऋग्वेद से है?
अ. माण्डुकायन
ब. शांखायन
स. बास्कल
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी

6. निम्नलिखित में से किसे 'वाजसनेयी संहिता' भी कहा जाता है?
अ. शुक्ल यजुर्वेद
ब. कृष्ण यजुर्वेद
स. काठक संहिता
द. मैत्रायणी संहिता
उत्तर- अ. शुक्ल यजुर्वेद

7. 'शांखायन' नामक ब्राह्मण ग्रंथ की रचना निम्नलिखित में से किसके द्वारा की गई थी?
अ. महिदास ब. कौषीतक
स. याज्ञवल्क्य द. ऋषि गौतम
उत्तर- ब. कौषीतक

8. तैत्तिरीय ब्राह्मण के कितने अष्टक/काण्ड हैं?
अ. तीन ब. चार
स. सात द. दस
उत्तर- अ. तीन

9. निम्नलिखित में से कौन से ब्राह्मण ग्रंथ में ओंकार के साथ 'त्रिमूर्ति' का उल्लेख है?
अ. षड्विंश ब. जैमिनीय
स. गोपथ द. सामविधान
उत्तर- स. गोपथ

10. निम्नलिखित में से कौनसे उपनिषद् में 'जनक-याज्ञवल्क्य' के शास्त्रार्थ का वर्णन किया गया है?
अ. बृहदारण्यम् ब. छान्दोग्य
स. कठोपनिषद् द. यास्क
उत्तर- अ. बृहदारण्यम्

11. 'ब्रह्मसूत्र' की रचना निम्नलिखित में से किसके द्वारा की गई है?
अ. शंकाचार्य ब. ऐतरेय
स. बादरायण द. यास्क
उत्तर- स. बादरायण

12. निम्नलिखित में से किस वेदांग को 'प्रतिशाख्य' कहा जाता है?
अ. छन्द ब. कल्प
स. निरूक्त द. शिक्षा
उत्तर- द. शिक्षा

13. ऋक्प्रातिशाख्य नामक ग्रन्थ निम्न में से किसके द्वारा रचित है?
अ. शौनक ब. बादरायण
स. यास्क द. पंतजलि
उत्तर- अ. शौनक

14. 'शुल्वसूत्र' में मुख्यतः किसका वर्णन है?
अ. श्रोतयज्ञों का विधान
ब. गृह्याग्नि में होने वाले विधान
स. यज्ञवेदिका का ज्यामितिय ज्ञान
द. राजधर्म व पुरुषार्थों का
उत्तर- स. यज्ञवेदिका का ज्यामितिय ज्ञान

15. 'अष्टाध्यायी' किसके द्वारा रचित है?
अ. पतंजलि ब. अश्वघोष
स. पाणिनी द. दंडी
उत्तर- स. पाणिनी

16. 'लगधाचार्य' के द्वारा निम्नलिखित में से कौनसा ग्रंथ लिखा गया है?
अ. वेदांग ज्योतिष
ब. निघण्टु
स. महाभाष्य
द. बृष्देवता
उत्तर- अ. वेदांग ज्योतिष

17. ऋग्वेद के कौन से मण्डल की ऋचाएं सबसे पुरानी मानी जाती हैं?
अ. नवम् ब. सप्तम्
स. प्रथम द. तृतीय
उत्तर- ब. सप्तम् मण्डल

18. निम्नलिखित में से कौनसे सूक्त में सृष्टि की प्रक्रिया का प्रतिपादन है/वर्णन है?
अ. पुरुष-सूक्त
ब. संवाद-सूक्त
स. उषा सूक्त
द. हिरण्यगर्भ सूक्त
उत्तर- अ. पुरुष-सूक्त

19. सामवेद के मन्त्रों का गायन निम्नलिखित में से कौनसे ऋत्विक द्वारा किया जाता है?
अ. उद्गाता ब. ब्रह्मा
स. होतृ द. अध्वर्यु
उत्तर- अ. उद्गाता

20. ऋग्वेद का कौनसा मंडल सोम को समर्पित है?
अ. अष्टम् ब. नवम्
स. दशम् द. चतुर्थ
उत्तर- ब. नवम्

21. निम्नलिखित में कौनसी नदी को प्राचीनकाल में 'अस्किनी' नाम से जाना जाता था?
अ. सतलज ब. रावी
स. चिनाब द. गंडक
उत्तर- स. चिनाब

22. ऋग्वेदिककाल में कौनसी नदी को 'नदीतमा' कहा गया है?
अ. गंगा ब. सरस्वती
स. यमुना द. शतुद्रि
उत्तर- ब. सरस्वती

23. ऋग्वैदिककालीन व्यवस्था में 'पुरन भेत्ता' नामक शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?
अ. सैनिकों ब. पुरोहित
स. सेनापति द. राजा
उत्तर- द. राजा

24. निम्नलिखित में से कौनसी संस्था राजा की नियुक्ति, पदच्युत व उस पर नियंत्रण रखती थी?
अ. सभा ब. समिति
स. विद्थ द. गोष्ठी
उत्तर- ब. समिति

25. वैदिककालीन न्यायधीशों को क्या कहा जाता था?
अ. प्रश्न विनाक ब. स्पर्श
स. गोप्राजनस्य द. ग्रामजी
उत्तर- अ. प्रश्न विनाक

26. निम्नलिखित में से ऋग्वेद का कौनसा मंडल पूर्णतः कृषि कार्यों से संबंधित है?
अ. प्रथम ब. द्वितीय
स. तृतीय द. चतुर्थ
उत्तर- द. चतुर्थ

27. 'कुल्या' शब्द का प्रयोग ऋग्वैदिककाल में किस हेतु किया गया है?
अ. नहर ब. चारागाह
स. हल द. निजी भूमि
उत्तर- अ. नहर

28. बौद्ध धर्म के कौनसे बोधिस्तव को अलौकिक खतरे के खिलाफ एक रक्षक माना जाता है?
अ. वसुधारा ब. क्षिति गर्भ
स. स्कंद द. सीतापात्रा
उत्तर- द. सीतापात्रा

29. निम्नलिखित में से किसे 'भविष्य का बोधिसत्व' माना गया है?
अ. मंजुश्री ब. वज्रपाणि
स. मैत्रेय द. सामंतभद्र
उत्तर- स. मैत्रेय

30. निम्नलिखित में से कौनसे स्थान से जैन तीर्थंकर महावीर स्वामी मोक्ष पधारे थे?
अ. चम्पापुर ब. गिरनार
स. पावापुर द. सम्मेद शिखर
उत्तर- स. पावापुर

31. जैन धर्म के अनुसार तीर्थंकर ऋषभनाथ का प्रतीक चिन्ह क्या माना गया है?
अ. सांड ब. सांप
स. सिंह द. शंख
उत्तर- अ. सांड

32. काकतीय रूपेश्वर मंदिर निम्न में से किस राज्य में अवस्थित है?
अ. आंध्रप्रदेश ब. तेलंगाना
स. कर्नाटका द. तमिलनाडु
उत्तर- ब. तेलंगाना

33. सित्तनवासला की गुफाओं में मुख्यतः किस धर्म से जुड़ी चित्रकला प्राप्त हुई हैं?
अ. शैव ब. वैष्णव
स. जैन द. बौद्ध
उत्तर- स. जैन

34. मूर्तिकला की 'अमरावती शैली' के संबंध में कौनसा कथन असत्य है?
अ. अमरावती शैली में मुख्यतः सफेद संगमरमर का प्रयोग किया गया।
ब. यह शैली यूनानी या हेलेनिस्टिक प्रभाव लिए है।
स. मूर्तियां सामान्यतः बुद्ध के जीवन व जातक कथाओं की कहानियों को दर्शाती हैं।
द. अमरावती शैली मुख्यतः सातवाहन शासकों के शासनकाल में फली फूली।
उत्तर- ब. यह शैली यूनानी या हेलेनिस्टिक प्रभाव लिए है।

35. 'यक्षगान' नामक पारंपरिक नृत्य-नाट्य मुख्यतः किस राज्य से संबंधित है?
अ. कर्नाटक ब. मिजोरम
स. तमिलनाडु द. आंध्रप्रदेश
उत्तर- अ. कर्नाटक

36. 'छीवी गद-गा' नामक प्राचीन युद्धकला का संबंध कौन से राज्य से है?
अ. कश्मीर ब. पंजाब
स. केरल द. मणिपुर
उत्तर- द. मणिपुर

37. 'जीवक चिंतामणि' नामक ग्रंथ के लेखक कौन हैं?
अ. तेलकापियर
ब. सीतलेसतनार
स. तिरूत्तक्कदेवर
द. नाथकुथनार
उत्तर- स. तिरूत्तक्कदेवर

38. 'किरातार्जुनीय' नामक संस्कृत काव्य के रचियता कौन हैं?
अ. माघा ब. जयदेव
स. भास्कर II द. भारवि
उत्तर- द. भारवि

39. 'नुआखाई' त्योहार किस राज्य से संबंधित है?
अ. मिजोरम ब. ओडिशा
स. कर्नाटक द. असम
उत्तर- ब. ओडिशा

40. हडप्पाकालीन स्थल 'मिताथल' निम्नलिखित में से कौनसे राज्य में अवस्थित है?
अ. हरियाणा ब. गुजरात
स. राजस्थान द. उत्तरप्रदेश
उत्तर- अ. हरियाणा

41. 'पुरी का जगन्नाथ मंदिर' कौनसी शैली में निर्मित है?
अ. नागर शैली
ब. बेसर शैली
स. मामल्ल शैली
द. द्रविड़ शैली
उत्तर- अ. नागर शैली

42. निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं है?

गुफा	स्थान
अ. नागार्जुनी गुफाएं	- बिहार
ब. उदयगिरी गुफाएं	- मध्यप्रदेश
स. चंद्रगिरी गुफाएं	- ओडिशा
द. उज्जयंत की गुफाएं	- गुजरात

उत्तर- स. चंद्रगिरी गुफाएं - ओडिशा

43. 'तृतीय बौद्ध संगीति' के अध्यक्ष निम्नलिखित में से कौन थे?
अ. महाकश्यप
ब. सबाकमीर
स. मोगलीपुत्ततिस्स
द. वसुमित्र
उत्तर- स. मोगलीपुत्ततिस्स

44. निम्नलिखित में से किसे 'पाशुपत सम्प्रदाय' का संस्थापक माना जाता है?
अ. लकुलीश
ब. वसुगुप्त
स. बासव
द. निम्बकाचार्य
उत्तर- अ. लकुलीश

45. निम्नलिखित में से सांची स्तूप में भगवान बुद्ध के कौनसे शिष्य की अस्थियां सुरक्षित हैं?
अ. महामोग्गलान
ब. सारिपुत्र
स. अ और ब दोनों
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-- स. अ और ब दोनों

46. तत्कालीन लाट देश के रेशम व्यापारियों का दशपुर में आकर बसने का वर्णन निम्नलिखित में से गुप्तकाल के कौनसे अभिलेख में है?
अ. दशपुर अभिलेख
ब. बिलसड अभिलेख
स. करमदंडा अभिलेख
द. सूपिया अभिलेख
उत्तर- अ. दशपुर अभिलेख

47. दक्षिणापथ के राज्यों को जीतने हेतु समुद्रगुप्त के द्वारा कौनसी नीति अपनाई गई?
अ. परिचारिकीकृत
ब. ग्रहणमोक्षानुग्रह
स. कन्योपायन
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. ग्रहणमोक्षानुग्रह

48. निम्नलिखित में से पल्लव वंश के किस शासक ने 'वातापीकोंड' की उपाधि धारण की थी?
अ. सिंहविष्णु
ब. महेंद्रवर्मन I
स. नरसिंहवर्मन I
द. अपराजित वर्मन
उत्तर- स. नरसिंहवर्मन I

49. निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं है?

राजवंश	राजधानी
अ. शुंग	- पाटलिपुत्र
ब. सातवाहन	- प्रतिष्ठान
स. कदम्ब	- बनवासी
द. चन्देल	- धार

उत्तर- द. चन्देल - धार

50. मौर्यकालीन मूर्तियों में मणिभद्र (यक्ष) नाम की मूर्ति कहां से प्राप्त हुई है?
अ. बेसनगर
ब. परखम
स. नोह ग्राम
द. झींग-का-नगर
उत्तर- ब. परखम

51. भारतीय प्रतीक पर उत्कीर्ण 'सत्यमेव जयते' कौनसे उपनिषद् से प्राप्त हुआ है?
अ. मुंडकोपनिषद्
ब. ईशावास्योपनिषद्
स. कठोपनिषद्
द. तैत्तरीय उपनिषद्
उत्तर- अ. मुंडकोपनिषद्

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं)

सरदार पटेल ने अंग्रेजों द्वारा विभक्त भारत को बनाया अखण्ड

सतना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सतना में सरदार वल्लभभाई पटेल ट्रस्ट द्वारा आयोजित समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने अंगेजों द्वारा विभक्त भारत को अखण्ड बनाया। देश को आजाद करते समय अंग्रेजों ने इसे खण्ड-खण्ड करने का प्रयास किया। इस प्रयास को विफल करके सरदार पटेल ने अखण्ड भारत का निर्माण किया। रियासतों का एकीकरण सरदार पटेल की प्रतिभा, साहस और कौशल का बहुत बड़ा उदाहरण है। सरदार पटेल ने ही सोमनाथ मंदिर और द्वारिकाधीश मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। उन्होंने अपने कार्यों से देश की सनातनी परंपरा को भी गौरवान्वित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने गरीबों और किसानों के लिए जीवनभर कार्य किया। सरदार पटेल के किसानों के कल्याण के सपने के रूप में गुजरात में दुग्ध उत्पादक संघ अमूल का गठन और विकास हुआ। इसने पूरे देश में श्वेत क्रांति ला दी। अमूल, किसानों के सहयोग और सहकार से बना संगठन है। अमूल, दुग्ध उत्पादक किसानों को अच्छी गुणवत्ता का पशु आहार, दुधारी पशुओं को बीमा सुरक्षा का लाभ तथा दीवाली पर किसानों को लाखों का बोनस देता है।

मध्यप्रदेश में भी दुग्ध उत्पादक किसानों को सहकारी समितियों के माध्यम से दुग्ध संग्रहण के लिए बोनस दिया जायेगा। यह मध्यप्रदेश के किसानों के लिए सरदार पटेल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अयोध्या में भव्य मंदिर में भगवान श्रीराम मुस्कुरा रहे हैं। हम सब हर्षोल्लास से दीवाली मनाकर अपना जीवन खुशियों से भर रहे हैं। उज्जैन में महाकाल लोक का निर्माण तथा बनारस में बाबा विश्वनाथ लोक का निर्माण हुआ है। उसी तरह चित्रकूट में श्रीराम लोक का निर्माण किया जायेगा। इसके लिए चित्रकूट विकास प्राधिकरण गठित कर प्रयास शुरू कर दिये गये हैं। मैहर में मां शारदा लोक का निर्माण किया जायेगा।

अयोध्या की तरह मथुरा भी जगमग होगा। मुख्यमंत्री ने सतना में नगर निगम के सहयोग से लाइब्रेरी के संचालन, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग सेंटर तथा छात्रावास बनाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। हमने साइबर तहसील व्यवस्था लागू कर दी है। अब किसानों को जमीन के नक्शे, खसरे और नामांतरण के लिए तहसील कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने होंगे। आधुनिक संचार सुविधा के माध्यम से उन्हें घर बैठे इसकी सुविधा मिलेगी।

पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री श्री लखन पटेल ने सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सतना और मैहर जिले के नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठन ने ग्रामीण स्तर से लेकर जिला स्तर तक अपने संगठन का बहुत अच्छा विस्तार किया है।

जनजाति समाज के क्रांतिकारियों का देश के अस्तित्व की रक्षा में अहम योगदान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भिलाला समाज समागम सम्मेलन में स्मृति चिह्न भेंट किया गया

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में आयोजित भिलाला समाज समागम एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजाति समाज के क्रांतिकारियों का देश के अस्तित्व की रक्षा में अहम योगदान रहा है। समाज के क्रांतिकारियों और महापुरुषों के व्यक्तित्व और कृतित्व को समाज में स्थापित किया जा रहा है। क्रांतिकारी टंट्या मामा की स्मृति में इंदौर संभाग में विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। जनजाति समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है इसके विकास के लिए कोई भी कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

- **प्रदेश के सभी वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में बदला जाएगा**
- **जनजातीय समाज की गतिविधियों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी जमीन**

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईमानदारी, कर्मठता, लगनशीलता एवं परिश्रम जनजाति समाज की विशेष पहचान है। इसी पहचान ने समाज में अपना अलग स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज ने अपनी सांस्कृतिक विरासत एवं परंपराओं को सहेज कर रखा है। इस समाज ने 'जो प्राप्त है उसी को पर्याप्त' मानकर आनंद से जीवन जीने की शैली अपनायी है। यह समाज कृषि एवं पशुपालन पर आधारित है। भोलापन भी इस समाज की विशेष पहचान रही है। उन्होंने कहा कि वे इस भोलापन को कमजोरी नहीं बनने दें और किसी भी दुष्चक्र में नहीं आएं। कुरीतियों से दूर रहें। अपनी सांस्कृतिक, विरासत और परम्परा को सहेज कर रखें।

विकास को नई गति मिलेगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनजाति समाज के विकास के लिए बजट में बढ़ोतरी की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस समाज के समग्र विकास के लिए कारगर प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में इंदौर-मनमाड़ रेल परियोजना स्वीकृत की गई है।

श्री पटेल ने किया गणेश शंकर विद्यार्थी की प्रतिमा का अनावरण

नरसिंहपुर, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में श्री गणेश शंकर विद्यार्थी की प्रतिमा का अनावरण प्रेस बरमान चौराहा करेली, नरसिंहपुर में किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलपति डॉ. राजकुमार आचार्य ने की।

श्री पटेल ने कहा कि श्री गणेश शंकर विद्यार्थी एक क्रांतिकारी पत्रकार थे और उन्हें हिन्दी पत्रकारिता का प्रमुख स्तंभ माना जाता है। वे पत्रकारिता जगत का एक ऐसा नाम थे, जिनके लेखन से ब्रिटिश सरकार भी डरती थी। किसानों एवं मजदूरों को हक दिलाने के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष किया तथा आजादी के आंदोलन में भी सक्रिय रहे थे। भारतीय इतिहास के एक सजग पत्रकार, देशभक्त, समाजसेवी और स्वतंत्रता संग्राम के सक्रिय कार्यकर्ता थे।

पर्यटन स्थलों में ट्राइबल कैफेटेरिया किये जायेंगे स्थापित

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर जनजातीय संस्कृति को बढ़ावा देने और स्थानीय जनजातीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ट्राइबल कैफेटेरिया स्थापित कर रही है। प्रदेश के सिवनी जिले में पेंच नेशनल पार्क के समीप टुरिया गांव में, बालाघाट जिले में कान्हा नेशनल पार्क के पास और धार जिले में मांडू में ट्राइबल कैफेटेरिया निर्माणाधीन हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य न केवल पर्यटन को बढ़ावा देना है, बल्कि स्थानीय जनजातीय समुदायों को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इससे जनजातीय समुदाय की कला तथा संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। कैफेटेरिया में स्थानीय जनजातीय व्यंजन, हस्तशिल्प और पारंपरिक सजावट उपलब्ध होगी, जिससे पर्यटक एक अनोखे सांस्कृतिक एवं पारिवारिक अनुभव का आनंद ले सकेंगे। इन कैफेटेरिया की स्थापना से निश्चित ही पर्यटन उद्योग में भी नए अवसरों का सृजन होगा।

- **इन कैफेटेरिया में जनजातीय संस्कृति, खान-पान और शिल्पकारी की मिलेगी जानकारी**
- **इन कैफेटेरिया की स्थापना से जनजातीय समुदायों को मिलेगा रोज़गार**

जनजातीय कार्य विभाग के अधीन वन्या संस्थान द्वारा इसके लिये विधिवत प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया था। शासन से 5 ट्राइबल कैफेटेरिया की मंजूरी मिल गई है। ये ट्रॉइबल कैफेटेरिया मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम (एमपीटी) द्वारा संचालित किये जायेंगे। इसके लिये जनजातीय वर्ग के स्व-सहायता समूहों को जोड़ा जायेगा। ये समूह क्षेत्रीय जनजातियों के पारम्परिक व्यंजन तैयार कर इस कैफेटेरिया के माध्यम से विक्रय करेंगे। ट्राइबल कैफेटेरिया में जनजातियों के पोषक आहार पेज, कोदो-कुटकी, ज्वार-बाजरा, मक्का-महुआ, अचार आदि से बने व्यंजन, मिठाई, हलवा आदि तैयार कर पर्यटकों को बेचे जायेंगे। साथ ही जनजातियों की शिल्पकारी, चित्रकारी, खिलौने और बांस से निर्मित उत्पाद आदि का विक्रय भी किया जायेगा। इससे जनजातीय समुदाय को आजीविका के नये साधन मुहैया होंगे और अतिरिक्त आय उपार्जन भी होगा।

पहले चरण में प्रदेश के 3 जिलों में ट्राइबल कैफेटेरिया की स्थापना के लिये स्थल (भूमि) का चयन कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। ट्राइबल कैफेटेरिया के लिये डिजाइन (नक्शा) भी पारित कर दिया गया है। दूसरे चरण में छतरपुर सहित एक अन्य जिले में भी ऐसे ही ट्राइबल कैफेटेरिया खोले जायेंगे।

मध्यप्रदेश में बनेगा देश का दूसरा महिला उद्यमिता मंच

भोपाल, शहरीकरण एवं औद्योगिक विकास, डाटा एवं सांख्यिकी के क्षेत्र में भारत सरकार के कार्यक्रमों के साथ मध्यप्रदेश द्वारा किए जा रहे हैं प्रयासों के संबंध में नीति आयोग की प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर के साथ मध्यप्रदेश के आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता नीति आयोग की प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर सुश्री ऐना रॉय ने की।

बैठक में योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला ने प्रदेश में किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि देश में तेलंगाना के बाद मध्यप्रदेश में महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी अध्याय) की स्थापना की जाएगी। यह देश का दूसरा महिला उद्यमिता मंच होगा।

सतना में बनेगा स्पोर्ट्स कॉलेज और सिंथेटिक ट्रैक

सतना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सतना में अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित 35वें अखिल भारतीय खेलकूद (एथलेटिक्स) समारोह 2024 के समापन अवसर पर कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल से व्यक्तित्व में अनुशासन, आत्मविश्वास, बौद्धिक, प्रखरता, निडरता और एकाग्रता विकसित होती है। मध्यप्रदेश ने खेलो इंडिया यूथ गेम में देश में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया, शूटिंग में प्रदेश ने 15 मेडल अर्जित किए, ओलंपिक में शामिल हुई भारत की हॉकी टीम में प्रदेश के खिलाड़ी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदेश में 18 खेलों की 11 राज्य अकादमियों का संचालन हो रहा है। यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। सतना में स्पोर्ट्स कॉलेज के लिए 15 करोड़ रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की तथा सिंथेटिक ट्रैक निर्माण के लिए 7 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 35वें अखिल भारतीय खेलकूद समारोह को संबोधित करते हुए

मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं और पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है।

ग्रामीण क्षेत्रों का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता

नरसिंहपुर, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिये कृत-संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से हुए विकास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। प्रदेश के अब हर गांव तक पक्की सड़क पहुंचाये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह नरसिंहपुर जिले की ग्राम पंचायत चांदनखेड़ा में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने डंगहा गांव में पंचायत भवन बनाने के लिये 30 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पंचायत भवन बन जाने से ग्रामीणों के कार्य अब और सुविधाजनक तरीके से होने लगेंगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने 65 लाख रुपये की राशि से निर्मित होने वाले उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण, एक करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले घोघरा मार्ग निर्माण का भूमिपूजन और ग्राम रायपुर में करीब 50 लाख रुपये राशि के उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन बन जाने से ग्रामीण आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

वसुधा की रक्षा के लिए सभी नागरिक अपना दायित्व निभाएं - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 'जलवायु परिवर्तन के लिए वैश्विक प्रयास' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में 'जलवायु परिवर्तन के लिए वैश्विक प्रयास: भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान' विषय पर आयोजित विमर्श सत्र एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय है। वसुधा को बचाने का कर्तव्य हम सभी को निभाना है। भारत की पहचान दुनिया में प्रकृति और पर्यावरण को बचाने के संदर्भ में भी बनी है। प्रकृति और प्रगति में समन्वय आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सारे विश्व में अपने सक्षम नेतृत्व से भारत की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं। पर्यावरण के प्रति उनकी चिंता इस बात से सिद्ध होती है कि वे वर्ष 2030 तक भारत द्वारा 500 गीगावॉट नवकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं। निश्चित ही हम कार्बन उत्सर्जन में एक बिलियन टन की कमी लाने में सफल होंगे। पर्यावरण की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण संकल्प है। इसकी पूर्ति के लिए राष्ट्रवासी भी सहयोग कर रहे हैं। मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुसार सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रदेश अधिक से अधिक योगदान देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें हमारी भारतीय जीवन पद्धति, हमारी मान्यताओं और परमात्मा एवं प्रकृति से जुड़ने के हमारे मूल दृष्टिकोण का अपना महत्व सामने आता है। एक श्रेष्ठ जीवनशैली के लिए भारतीय जाने जाते हैं। खान-पान और जल की शुद्धता के लिए हम गंभीर हैं। मध्यप्रदेश पर परमात्मा की विशेष कृपा है। जहां हमारा देश मानवता प्रेमी है, वहीं पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता के लिए भी भारत सक्रिय है। विश्व के कल्याण के लिए भारत के उदात्त भाव से सभी परिचित हैं।

सभी राष्ट्रों का सम्मानजनक रुख

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व के देशों के लिए आशा की किरण हैं। जहां रूस और यूक्रेन के युद्ध की परिस्थितियां सभी के सामने हैं, वहीं इजराइल जैसे राष्ट्र जो तकनीक के उपयोग और अस्मिता के संघर्ष के लिए जाने जाते हैं, भारत के लिए इन सभी राष्ट्रों का सम्मानजनक रुख है। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी और भारत की सामर्थ्य एवं पर्यावरण प्रेमी होने के दृष्टिगत हमारी प्रतिष्ठा विश्व में बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने नर्मदा नदी और उसके तटों के पर्यावरणीय संरक्षण के लिए आवश्यक निर्णय लिए हैं। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। सभी नदियों की स्वच्छता और हमारे ईको सिस्टम का संतुलन बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। हमारी सोन नदी, पुण्य सलिला गंगा को बलिष्ठ बनाती है। गंगा बेसिन के लिए यमुना के माध्यम से चंबल और क्षिप्रा भी यही भूमिका निभाती हैं। बेतवा भी यमुना जी में जाकर मिलती है।

मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास से निवेश और रोज़गार के अवसर बढ़े

रीवा, रीवा में आयोजित क्षेत्रीय निवेश सम्मेलन ने औद्योगिक विकास के नए युग की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संभागों में आयोजित आरआईसी राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा में आयोजित क्षेत्रीय औद्योगिक कॉन्क्लेव में रीवा, धार, सागर, सतना और उज्जैन में 21 औद्योगिक इकाइयों का वर्चुअल भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री की सोच है कि औद्योगिक विकास एक साझा जिम्मेदारी है, जिसमें न केवल सरकार की भूमिका है, बल्कि स्थानीय व्यवसायों, समाज और शिक्षा संस्थानों का भी सक्रिय रूप से शामिल होना आवश्यक है।

इन्दौर क्षेत्रीय कार्यालय

इन्दौर क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत 6 औद्योगिक इकाइयों का शिलान्यास किया गया। जिसमें कुल 2252.42 करोड़ रुपये का निवेश और 1046 रोज़गार के अवसर सृजित होंगे। स्मार्ट इण्डस्ट्रियल पार्क, पीथमपुर, जिला-धार में इन्दौर क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों का शिलान्यास किया गया। मेसर्स पिनेकल मोबिलिटी प्रा.लि. ने पीथमपुर, सेक्टर-7, जिला-इन्दौर में इलेक्ट्रिक बस एवं इलेक्ट्रिक लाइट व्हीकल्स के लिए 1600 करोड़ रुपये का विशाल निवेश प्रस्तावित किया, जिससे 501 लोगों को रोज़गार मिलेगा। मेसर्स कोर ब्लॉक स्केफहोल्डिंग एण्ड फार्म वर्क प्रा. लि. ने पाइप मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के लिए 150 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा, जिससे 350 रोज़गार सृजित होंगे। मेसर्स रेकबैक डाटा सेन्टर्स प्रा.लि. ने औद्योगिक क्षेत्र, एसईजेड, फेस-2, पीथमपुर में 500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित किया, जो 150 लोगों को रोज़गार देने में सहायक होगा।

रीवा क्षेत्रीय कार्यालय

रीवा क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत 8 इकाइयों का शिलान्यास किया गया। जिसमें 125.93 करोड़ रुपये का निवेश होगा तथा 342 लोगों को रोज़गार प्राप्त होगा। रीवा के उद्योग विहार चोरहटा में मेसर्स खन्ना ओवेन सेक प्रा.लि. का शिलान्यास किया गया। जिसमें गारमेन्ट सेक्टर में 11 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे 150 लोगों को रोज़गार मिलेगा। मैसर्स सौहम ग्प्रो इंडस्ट्रीज ने फूड सेक्टर में 7.02 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित किया, जिससे 70 लोगों को रोज़गार मिलेगा। मैसर्स माया इंडस्ट्रीज फूड सेक्टर में 30 लाख का निवेश करेगी, जिससे 15 लोगों को रोज़गार मिलेगा। मेसर्स हरिओम इनका ने फूड क्षेत्र में 1.14 करोड़ रुपये का निवेश किया। जिससे 10 लोगों को रोज़गार मिलेगा।

क्षेत्रीय कार्यालय सागर

सागर क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत सागर में औद्योगिक क्षेत्र सिद्धगुंवा में 5 औद्योगिक इकाइयों का शिलान्यास किया। इसमें 8.62 करोड़ रुपये का निवेश होगा तथा 92 लोगों को रोज़गार मिलेगा। इसके द्वारा 5.50 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जिससे 25 लोगों को रोज़गार मिलेगा। मेसर्स भगतजी ट्रांसफार्मर एण्ड इलेक्ट्रिकल्स द्वारा 72 लाख रुपये का निवेश किया जाएगा। जिससे 25 लोगों को रोज़गार मिलेगा।

क्षेत्रीय कार्यालय उज्जैन

उज्जैन क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत उज्जैन में मेसर्स एमडीएच प्राइवेट लिमिटेड डीएमआईसी विक्रम उद्योगपुरी क्षेत्र में 200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस इकाई की स्थापना से 200 लोगों को रोज़गार मिलेगा। यह इकाई स्थानीय व्यवसायों के विकास में सहायक सिद्ध होगी।

'बाघ चौपाल' के माध्यम से ग्रामीणों को किया जा रहा है जागरूक

सिवनी, सिवनी जिले के पेंच टाइगर रिजर्व द्वारा वन्य प्राणियों के संरक्षण के साथ ही मानव-वन्य प्राणी द्वंद्व से बचाव के लिये स्थानीय ग्रामीणों को 'बाघ चौपाल' के माध्यम से बाघ फिल्म दिखाकर जागरूक किया जा रहा है। इस नवाचार में बफर जोन के किसी न किसी गांव में प्रतिदिन शाम के समय फिल्म दिखाई जा रही है। फिल्म के माध्यम से यह बताया जा रहा है कि जब किसी वन्य प्राणी का गांव एवं खेत के पास वन विभाग द्वारा रेस्क्यू किया जाता है, तो वहां पर भीड़ नहीं लगानी चाहिये और वन विभाग का सहयोग करना चाहिए।

किसानों की खुशहाली के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध

- **मध्यप्रदेश में रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना की गई प्रारंभ**
- **इस योजना से मिलेट्स उत्पादक किसानों को मिलेगा लाभ**

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाताओं की खुशहाली और बेहतरी के लिये नित नये आयाम स्थापित किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अन्नदाताओं के प्रति असीम स्नेह सरकार की योजनाओं में भी निरंतर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 29 अक्टूबर को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (वर्ष 2024-25 की द्वितीय किस्त अंतरित की। प्रदेश के 81 लाख से अधिक किसानों को 1624 करोड़ रुपये की सहायता राशि का अंतरण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ राज्य सरकार भी मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में किसानों को लाभान्वित कर रही है। इन दोनों योजनाओं में किसानों को प्रतिवर्ष 12000 रुपये का लाभ प्रदान किया जा रहा है। अब तक प्रदेश के किसानों के बैंक खातों में 41 हजार 200 करोड़ रुपये की राशि अतिरिक्त दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के लिये वर्ष 2024-25 बजट में 66 हजार 605 करोड़ रुपये का प्रावधान करते हुए कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिये शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषकों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना को जारी रखा गया है। इसके लिये 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे लगभग 32 लाख से अधिक कृषक लाभान्वित होंगे। वर्ष 2024-25 में 23 हजार करोड़ रुपये के फसल ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री के निर्णय से धर्मनगरी उज्जैन का वातावरण धर्ममय होगा

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के धर्मनगरी उज्जैन में साधु संतों, महंत, अखाड़ा प्रमुखों, महामंडलेश्वर इत्यादि को स्थाई आश्रम बनाने की अनुमति दिए जाने के निर्णय से उज्जैन नगरी का वातावरण धर्ममय होगा। यह बात उज्जैन से पधारे अखाड़ा परिषद के संतजनों ने मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सम्मान करते हुए कही। मुख्यमंत्री का सभी संतों ने शॉल और फूलों की बड़ी माला पहनाकर अभिनंदन किया एवं आशीर्वाद दिया।

अयोध्या की तरह चित्रकूट का भी होगा विकास

सतना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सतना जिले के चित्रकूट में आयोजित सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला महोत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्ष के अंतराल के बाद रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। तब से पूरे देश में सनातन संस्कृति की धारा बह रही है। चित्रकूट के कण-कण में भगवान राम की महिमा व्याप्त है। अयोध्या की तरह तीर्थ स्थल चित्रकूट का भी विकास किया जायेगा। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की सरकार दोनों मिलकर चित्रकूट के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम के चरित्र प्रसंगों को समेटे चित्रकूट का यह क्षेत्र अलग-अलग स्वरूपों के साथ मनोरम है। चित्रकूट की धरती पर भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाये, जिन्होंने एक आज्ञाकारी पुत्र और भाई से भाई के प्रेम का प्रेरणास्पद उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि श्रीराम के जीवन के हर चरित्र और प्रसंग हमें जीवन मूल्यों के शिक्षा और प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राम की लीला को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मलेशिया, इंडोनेशिया, थाइलैण्ड और कम्बोडिया में भी प्रेरणा के रूप में पहुंचाने वाले हमारे कलाकार हैं। उन्होंने कहा कि चित्रकूट में अंतर्राष्ट्रीय रामलीला में प्रस्तुतियां देने वाले ये सभी कलाकार महाकाल की नगरी उज्जैन से आते हैं। मध्यप्रदेश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम के तीर्थ चित्रकूट को सबसे अच्छा बनाना सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि भौतिक संरचना के साथ समाज में बदलाव लाने की संकल्पना भी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी त्यौहारों को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है।

सभी राजनीतिक दल कर दें बीएलए की नियुक्ति : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुखबीर सिंह ने निर्वाचन सदन में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उन्हें फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने बताया कि 29 अक्टूबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया है। इसी दिन से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, वोटर आईडी कार्ड में संशोधन कराने और मृत मतदाताओं के नाम हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह प्रक्रिया 28 नवंबर 2024 तक चलेगी। आगामी 9, 10 एवं 16, 17 नवंबर 2024 को पूरे प्रदेश में विशेष कैम्प लगाकर अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश के सभी 65 हजार 15 मतदान केंद्रों पर कार्यालयीन समय में बीएलओ उपस्थित रहेंगे। प्राप्त सभी दावे आपत्तियों का 24 नवंबर तक निराकरण किया जाएगा। 6 जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे सभी मतदान केंद्रों के लिये अपने-अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) की नियुक्ति अवश्य कर दें यदि बीएलए नियुक्त हैं, तो उन्हें और अधिक सक्रिय होने के लिये निर्देशित करें।

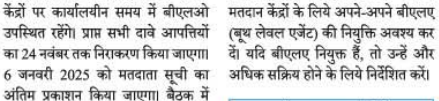

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुखबीर सिंह राजनीतिक दलों के साथ बैठक करते हुए

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

ओंकारेश्वर सोलर फ्लोटिंग प्रोजेक्ट ने प्रदेश को किया गौरवान्वित

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपावली के पावन पर्व पर ओंकारेश्वर सोलर फ्लोटिंग प्रोजेक्ट के पूर्ण क्षमता से कार्य प्रारंभ करने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लिये यह गौरव की बात है कि ओंकारेश्वर सोलर फ्लोटिंग प्रोजेक्ट देश ही नहीं, विश्व की सबसे बड़ी सोलर फ्लोटिंग परियोजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राष्ट्र नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर ऊंचाइयों को छू रहा है। मध्यप्रदेश भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के वर्ष 2030 में देश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावॉट तक पहुँचाने के सपने को पूरा करने के लिये पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

278 मेगावॉट की पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओंकारेश्वर सोलर फ्लोटिंग प्रोजेक्ट ने 30 अक्टूबर, 2024 से प्रथम चरण में 278 मेगावॉट की पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन करना प्रारंभ कर दिया है। पुण्य सलिला माँ नर्मदा पर निर्मित ओंकारेश्वर सोलर फ्लोटिंग प्रोजेक्ट का दीपावली के पावन पर्व पर प्रारंभ होना प्रदेशवासियों के लिये प्रसन्नता और गर्व का विषय है। यह प्रदेश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता एवं ग्रीन ऊर्जा उत्पादन के लिये सरकार के सतत प्रयास और संकल्प पूर्ण होने का भी उत्कृष्ट अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लगभग 6,600 मेगावॉट क्षमता की नवकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। लगभग 8,900 मेगावॉट की पंजीकृत नवकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के ऊर्जा जरूरतों का 50 प्रतिशत नवकरणीय ऊर्जा से पूरा करने के लक्ष्य की ओर हम अग्रसर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिये जाने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विश्व पटल पर पंचामृत के रूप में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिये मूल-मंत्र रखा है।

प्रधानमंत्री द्वारा नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में दिये गये लक्ष्य को प्राप्त करने में हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। हम पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे, जिससे कि प्रदेश देश ही नहीं, दुनिया में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में रोल मॉडल बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम भविष्य में भी ऐसे नवाचारों को अपनाकर प्रदेश को 'रोशन प्रदेश' 'स्वर्णिम प्रदेश' बनाए रखने के लिए कार्यरत रहेंगे।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में स्वचालित वेंडिंग मशीन के माध्यम से श्रद्धालु प्रसाद ले सकेंगे

उज्जैन, उज्जैन में ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर ऐसा मंदिर बनने जा रहा है, जहां स्वचालित वेंडिंग मशीन से श्रद्धालुओं को प्रसाद की सुविधा उपलब्ध रहेगी। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि भक्तों द्वारा क्यूआर कोड स्कैन कर पेमेंट करने के बाद प्रसाद के कूप से लड्डू का पैकेट मशीन से बाहर निकलेगा। इसके लिए मंदिर समिति ने कोयंबटूर की 5G टेक्नोलॉजी नामक कंपनी को ऑटोमेटिक मशीन का ऑर्डर दिया है। मशीन से 100 ग्राम 200 ग्राम और 500 ग्राम लड्डू के पैकेट श्रद्धालु प्राप्त कर सकेंगे।

विश्व प्रसिद्ध बारह ज्योतिर्लिंगों में से एकमात्र दक्षिणमुखी भगवान श्री महाकालेश्वर मन्दिर में प्रबंध समिति द्वारा लड्डू प्रसाद निर्माण इकाई एवं निःशुल्क अन्नक्षेत्र संचालित किया जा रहा है।

औद्योगिक निवेश के लिए मध्यप्रदेश में चलाया जा रहा है अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वीरेन्द्र कुमार सकलेचा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए

- नीमच की औषधीय फसलों को पतंजलि योगपीठ से जोड़ा जा रहा है
- मुख्यमंत्री ने नीमच में मेडिकल छात्रों से किया संवाद
- नीमच से रामपुरा, झालावाड़ फोरलेन सड़क निर्माण की घोषणा की

नीमच, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नीमच में वीरेन्द्र कुमार सखलेचा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के लोकार्पण समारोह को सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक निवेश के लिए प्रदेश में अभियान चलाया जा रहा है। नीमच, एशिया में औषधीय फसलों की सबसे बड़ी मण्डी है। यहां की औषधीय फसलों को योग गुरु बाबा रामदेव के पतंजलि योग पीठ से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा धनवंतरी जयंती धनतेरस पर नीमच सहित तीन नये मेडिकल कॉलेज की सौगात मिली है। सनातन संस्कृति में चिकित्सक को भगवान के रूप में देखा जाता है। चिकित्सा के छात्र मानवता की सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि नीमच में महामाया माँ भादवामाता का आशीर्वाद रहा है। यहां भादवामाता के पानी से ही रोग ठीक हो जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरेन्द्र कुमार सखलेचा ने प्रशासनिक कुशलता की मिसाल कायम की है। प्रशासनिक कुशलता के साथ उनके द्वारा किये गये काम आदर्श हैं। नीमच में असंभव को संभव कर दिखाने का जज्बा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झालावाड़-रामपुरा-नीमच सड़क को फोरलेन करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि अगले 4 से 6 माह में एशिया से चीते गांधी सागर अभयारण्य में लाकर छोड़े जाएंगे। इससे गांधीसागर में पर्यटन के नये द्वार खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने उपस्थितजनों को दीपोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि सरकार ने सभी त्योहार शासकीय स्तर पर मनाने की शुरुआत की है।

मुख्यमंत्री ने नीमच के वीरेन्द्र कुमार सखलेचा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में नवप्रवेशी चिकित्सा छात्र-छात्राओं और मेडिकल कॉलेज के स्टॉफ से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निरंतर देश एवं प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने एवं चिकित्सा सेवाओं की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। पहले प्रदेश में 17 मेडिकल कॉलेज थे, अब 3 नये मेडिकल कॉलेजों की सौगात प्रदेश को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मिली है।

फैक्ट फाइल

प्रधानमंत्री जनमन योजना : खोले गये शत-प्रतिशत बैंक खाते

देश में लगभग एक दशक से जनजातीय विकास और कल्याण के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का विकास करना तथा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना। जनजातियों के विशेष कमजोर समूह के विकास के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना शुरु की गई। इसके क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश की विशेष उपलब्धि रही है। पीएम जनमन के अन्तर्गत मध्यप्रदेश के चिह्नित 24 जिलों में निवासरत बैगा, भारिया एवं सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति समूह की आबादी को सहायता तथा रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण देकर इन्हें विकास की नई राह से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

पीएम जनमन भारत सरकार के 9 मंत्रालयों की 11 चिह्नित अधोसंरचना एवं विकासमूलक गतिविधियों एवं 7 हितग्राहीमूलक योजनाओं के घर पहुंच लाभ प्रदाय पर केन्द्रित एक महा-अभियान है। इसके तहत मध्यप्रदेश में करीब 7 हजार 300 करोड़ रुपये व्यय से इन तीन विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र कल्याण के लिये कारगर कदम उठाकर इन सभी को आधुनिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं।

- पीएम जनमन योजना में 5 लाख 46 हजार 335 व्यक्तियों के जनधन बैंक खाते खोले गये हैं।
- 40 लाख 35 हजार 376 पात्र व्यक्तियों को मिला योजना का लाभ।
- 37 लाख 65 हजार 294 पीवीटीजी व्यक्तियों मिला लाभ।
- पीवीटीजी परिवारों को विकासमूलक योजनाओं एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों का सीधा लाभ।

प्रधानमंत्री जनमन योजना

विशेष पिछड़ी जनजाति समूह (पीवीटीजी) के लिए 15 नवंबर 2023 को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर झारखंड के खूंटी जिले से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय आदिवासी न्याय महा-अभियान की शुरुआत की।

विशेष पिछड़ी जनजाति समूह

पीवीटीजी अर्थात विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहा यह समूह पहाड़ों, मैदानों, जंगलों तथा दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करते हैं। इनका निवास दूरस्थ अंचल में होता है। इसलिए इन्हें योजनाओं की जानकारी नहीं मिलती, कई बार पहुंच के अभाव में भी लाभ प्राप्त नहीं हो पाता। प्रधानमंत्री ने इन समूहों के लिए मुख्य रूप से प्रधानमंत्री जनमन योजना शुरू की गई।

प्रदेश में विशेष पिछड़ी जनजातियों की पूरी आबादी में सभी के आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बनाने के साथ-साथ सबके जनधन बैंक खाते भी खोले जा रहे हैं। साथ ही इनके जाति प्रमाण-पत्र बनाने के अलावा इस जनजाति समूह के पात्र किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ भी दिया जा रहा है।

हितेश शर्मा

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

विक्रम देव दत्त

कोयला मंत्रालय के सचिव बने

विक्रम देव दत्त कोयला मंत्रालय के सचिव बन गए हैं। 1993 बैच के आईएएस अधिकारी दत्त इससे पहले नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के महानिदेशक के पद पर कार्य कर रहे थे। उन्होंने वीएल कांता राव से पदभार ग्रहण किया है। इस पद पर दत्त के सामने पाँवर और औद्योगिक क्षेत्रों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोयला उत्पादन बढ़ाने की महत्वपूर्ण चुनौती होगी।

अभ्युदय जिंदल

इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष नियुक्त

इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) ने जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल को अपना नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह घोषणा नई दिल्ली में आयोजित आईसीसी की वार्षिक पूर्ण सत्र के दौरान की गई। इस दौरान वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। बता दें, अभ्युदय जिंदल ने आईसीसी की भूमिका को मजबूत करने और वर्ष 2047 तक भारत को 35 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान देने का लक्ष्य रखा है।

नसीम-अल-बहर

भारत और ओमान के बीच नौसैनिक अभ्यास संपन्न

आईएनएस त्रिकंद और डोर्नियर समुद्री गश्ती विमान ने गोवा के तट पर रॉयल नेवी ऑफ ओमान के पोत अल सीब के साथ भारत-ओमान द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास नसीम-अल-बहर में भाग लिया। यह अभ्यास दो चरणों बंदरगाह चरण और समुद्री चरण में किया गया। इस दौरान दोनों नौसेनाओं ने विषय वस्तु विशेषज्ञों के आदान-प्रदान, इनफ्लेटेबल लक्ष्यों पर बंदूक से फायरिंग, नजदीकी दूरी के एंटी-एयरक्राफ्ट फायरिंग आदि अभ्यास किए।

उर्मिला चौधरी

ग्लोबल एंटी-रेसिज़्म चैंपियनशिप अवॉर्ड से सम्मानित

नेपाल की प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता उर्मिला चौधरी को प्रतिष्ठित ग्लोबल एंटी-रेसिज़्म चैंपियनशिप अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्वारा वाशिंगटन डी.सी. में स्टेट डिपार्टमेंट में आयोजित एक समारोह के दौरान प्रदान किया गया। उर्मिला चौधरी को जातीय और सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए उनकी प्रतिबद्धता और नस्लवाद के खिलाफ संघर्ष के लिए सम्मानित किया गया है।

सेल

एसएचआरएम - एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित एसएचआरएम इंडिया वार्षिक सम्मेलन - 2024 में 'समावेश, समानता और विविधता में उत्कृष्टता' और 'डिस्ट्रीब्यूटेड वर्कफोर्स प्रबंधन में उत्कृष्टता' श्रेणियों में एसएचआरएम - एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार सेल द्वारा अपनाई जा रही अग्रणी मानव संसाधन प्रणालियों और पहलों का प्रमाण हैं।

आईआईएम शिलांग ने

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक से की साझेदारी

भारत के पूर्वोत्तर में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग ने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) के साथ साझेदारी की है। आईआईएम शिलांग फाउंडेशन फॉर इन्क्यूबेशन एंड इंटरप्राइजेज के माध्यम से उद्यमिता प्रशिक्षण और इन्क्यूबेशन कार्यक्रम शुरू कर रहा है। इसके तहत उभरते उद्यमियों को कौशल, ज्ञान और मेंटरशिप प्रदान की जाएगी। आईआईएम शिलांग के निदेशक प्रो. डीपी गोयल ने इस पहल की सराहना की है।

मालाबार 2024

सैन्य अभ्यास का समुद्री चरण संपन्न हुआ

सैन्य अभ्यास 'मालाबार 2024' का समुद्री चरण विशाखापट्टनम में संपन्न हुआ। सैन्य अभ्यास के इस संस्करण में युद्धपोतों की उनके अभिन्न हेलीकॉप्टर, लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान और पनडुब्बी के साथ भागीदारी देखी गई। मालाबार अभ्यास 2024 का समुद्री चरण 14 अक्टूबर 2024 को शुरू हुआ था। इसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका की नौसेनाओं ने हिस्सा लिया।

आकाश त्रिपाठी

डीआईसी के प्रबंध निदेशक बने

मध्यप्रदेश कैडर के 1998 बैच के आईएएस अधिकारी आकाश त्रिपाठी को केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। उन्हें केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय के डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन (डीआईसी) का प्रबंध निदेशक और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन के सीईओ के रूप में नियुक्त किया गया है। डीआईसी के एमडी/सीईओ के रूप में त्रिपाठी डिजिटल इंडिया पहल के तहत प्रमुख परियोजनाओं के कार्यान्वयन में मार्गदर्शन करेंगे।

मिस्र

मलेरिया-मुक्त घोषित हुआ

मिस्र को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा औपचारिक रूप से 'मलेरिया-मुक्त' घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के साथ मिस्र 2024 में केप वर्डे के बाद मलेरिया-मुक्त प्रमाणन प्राप्त करने वाला दूसरा देश बन गया है। मिस्र डब्ल्यूएचओ के पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में मलेरिया-मुक्त प्रमाणन प्राप्त करने वाला तीसरा देश बन गया है। इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात (2007) और मोरक्को (2010) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

इजराइल

एशियाई विकास बैंक का सदस्य बना

इजराइल, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का 20वां गैर-क्षेत्रीय सदस्य बन गया है। इजराइल के लिए अपने वैश्विक रणनीतिक संबंधों और आर्थिक पहुंच को बढ़ाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। एडीबी के गवर्नर्स बोर्ड ने अप्रैल 2022 में इजराइल की सदस्यता को मंजूरी दी थी। इस घोषणा के साथ एडीबी में 69 सदस्य देश शामिल हो गए हैं।

याह्या अफरीदी

पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश याह्या अफरीदी को पाकिस्तान का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। राष्ट्रपति कार्यालय के प्रेस विंग ने कहा कि यह नियुक्ति तीन वर्ष की निश्चित अवधि के लिए है। उनकी नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 175 ए(3), 177 और 179 के तहत की गई है। अफरीदी की नियुक्ति प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा संसदीय समिति के नामांकन के उपरांत राष्ट्रपति को सिफारिश भेजे जाने के बाद हुई है।

भारत ने

श्रीलंकाई स्कूलों के लिए अनुदान बढ़ाया

भारत ने श्रीलंका के बागान क्षेत्रों में स्कूलों के उन्नयन के लिए अपने अनुदान को बढ़ाकर 600 मिलियन रुपये कर दिया है। यह पहल भारतीय मूल के तमिल समुदाय के लिए शैक्षिक बुनियादी ढांचे में सुधार करने के उद्देश्य से की गई है। यह कदम शिक्षा के क्षेत्र में भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करता है और पिछले वर्षों में शुरू किए गए विकास सहयोग की विरासत को आगे बढ़ाता है।

बीएसएनएल का

नया लोगो जारी

केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के नए लोगो और इसकी सात नागरिक केंद्रित सेवाओं का शुभारंभ किया। ये सेवाएँ भारत के हर कोने में सुरक्षित, किफायती और विश्वसनीय कनेक्टिविटी प्रदान करने के बीएसएनएल के नए लक्ष्य को दर्शाती हैं। इस दौरान केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि बीएसएनएल का नया लोगो ग्राहक सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

रानी चेन्नम्मा पर

स्मारक डाक टिकट जारी

ब्रिटिश शासन के विरुद्ध कित्तूर के ऐतिहासिक प्रतिरोध की 200वीं वर्षगांठ के अवसर पर डाक विभाग ने कित्तूर राज्य की रानी चेन्नम्मा की वीरता और विरासत की स्मृति में स्मारक डाक टिकट जारी किया है। स्मारक टिकट में रानी चेन्नम्मा का एक आकर्षक चित्र है, जिसमें वे तलवार खींचे घोड़े पर सवार अंग्रेजों से लड़ती दिख रही हैं, जो उनकी शक्ति और वीरता को दर्शाता है।

सिक्किम ने

जीईएम के साथ किया समझौता

सिक्किम सरकार और सरकारी ई- मार्केटप्लेस (जीईएम) के बीच समझौता किया गया है। इस समझौते का उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं की सार्वजनिक खरीद के लिए सिक्किम सरकार के खरीदार विभागों के बीच जीईएम को अपनाना है। इस समझौते के साथ ही जीईएम ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी कवरेज हासिल कर ली है। इस दौरान सिक्किम सरकार के मुख्य सचिव श्री विजय भूषण पाठक और जीईएम की तरफ से चीफ बायर ऑफिसर श्री ए.वी. मुरलीधरन मौजूद रहे।

संदीप गोयनका

एको लाइफ के सीईओ बने

निजी क्षेत्र की बीमा कंपनी एको ने संदीप गोयनका को एको लाइफ़ का सीईओ नियुक्त किया है। उनके पास जीवन, स्वास्थ्य, सामान्य बीमा और परामर्श में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। संदीप के पास विकास और परिचालन दक्षता को बढ़ाने की विशेषज्ञता है। इससे पहले वे एक्साइड लाइफ इंश्योरेंस में सीएफओ और टाटा एआईए और ईवाई में शीर्ष पदों पर काम कर चुके हैं।

एचडीएफसी बैंक ने

सिंगापुर में खोली पहली शाखा

एचडीएफसी बैंक ने अपने अंतरराष्ट्रीय परिचालन को विस्तार देने की रणनीति के तहत सिंगापुर में आधिकारिक रूप से अपनी पहली शाखा खोल दी है। सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण द्वारा एचडीएफसी बैंक को होलसेल बैंकिंग लाइसेंस प्रदान किया गया है। इसके बाद एचडीएफसी बैंक सिंगापुर के निवासियों को विभिन्न वित्तीय उत्पाद और सेवाएं प्रदान कर सकेगा।

अजय कुमार सिंह

झारखंड के डीजीपी नियुक्त

चुनाव आयोग ने झारखंड कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी अजय कुमार सिंह को राज्य का डीजीपी नियुक्त किया है। अजय कुमार सिंह ने अनुराग गुप्ता की जगह ली। उन्हें तीन आईपीएस अधिकारियों के एक पैनल से चुना गया था, जिनके नाम राज्य सरकार ने भेजे थे। बता दें कि झारखंड में इस महीने विधानसभा चुनाव होने वाला है।

स्मृति शेष

उर्दू शायर फहमी बदायूंनी का निधन

उर्दू के मशहूर शायर फहमी बदायूंनी का 72 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनकी शायरी नए शायरों के लिए जमीन तैयार करने वाली शायरी थी। फहमी बदायूंनी का जन्म उत्तर प्रदेश के बदायूं में 4 जनवरी 1952 को हुआ था। बेहद कम उम्र में ही परिवार को संभालने की जिम्मेदारी के चलते उन्होंने लेखपाल की नौकरी की। बाद में उन्होंने नौकरी छोड़ दी थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी

1. 'रमणीयार्थ: प्रतिपादक: शब्द: काव्यम्' यह पंक्ति किस आचार्य की है?
अ. मम्मट ब. भरत
स. दंडी द. जगन्नाथ
उत्तर- द. जगन्नाथ

2. अलंकार संप्रदाय के प्रर्वतक कौन हैं?
अ. दंडी ब. भरत
स. मम्मट द. भामह
उत्तर- द. भामह

3. रति, हास, शोक, क्रोध, भय आदि भावों की गिनती इनमें से किस भाव के अंतर्गत आती है?
अ. स्थायी भाव ब. संचारी भाव
स. अनुभाव द. विभाव
उत्तर- अ. स्थायी भाव

4. आचार्य रुद्रट ने किस रीति का आविष्कार किया?
अ. लाटी ब. वैदर्भी
स. गौड़ी द. पांचाली
उत्तर- अ. लाटी

5. 'रस तरंगिनी' और 'रस मंजरी' ग्रंथों के प्रणेता कौन हैं?
अ. जयदेव ब. उत्पम दीक्षित
स. भानुदत्त द. विश्वनाथ
उत्तर- स. भानुदत्त

6. राजाराम मोहन राय ने सन् 1821 में किस पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ किया?
अ. बंगदूत ब. संवाद कौमुदी
स. प्रजा हितैषी द. जागरण
उत्तर- ब. संवाद कौमुदी

7. 'बनारस अखबार' के संपादक कौन थे?
अ. राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिंद'
ब. राजा लक्ष्मण सिंह
स. लल्लू लाल
द. भारतेंदु हरिश्चंद्र
उत्तर- अ. राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिंद'

8. 'अभ्युदय' के संपादक कौन थे?
अ. भारतेंदु हरिश्चंद्र
ब. बाल मुकुंद गुप्त
स. नंद दुलारे बाजपेयी
द. मदन मोहन मालवीय
उत्तर- द. मदन मोहन मालवीय

9. पं. जवाहर लाल नेहरू किस दैनिक समाचार-पत्र के संस्थापक और निदेशक मंडल के अध्यक्ष थे?
अ. टाइम्स ऑफ इंडिया
ब. नेशनल हेराल्ड
स. हिंदू
द. हिन्दुस्तान टाइम्स
उत्तर- ब. नेशनल हेराल्ड

10. प्रथम हिंदी पत्र 'उदंत मार्तण्ड' का प्रकाशन कब शुरू हुआ?
अ. 30 मई 1826 ब. 30 मई 1824
स. 1 मई 1826 द. 1 मई 1824
उत्तर- अ. 30 मई 1826

11. साहित्य अकादमी की स्थापना कब की गई?
अ. 1948 ई. ब. 1950 ई.
स. 1943 ई. द. 1954 ई.
उत्तर- द. 1954 ई.

12. प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना कब हुई?
अ. 1920 ई. ब. 1930 ई.
स. 1936 ई. द. 1942 ई.
उत्तर- स. 1936 ई.

13. महात्मा गांधी हिंदी साहित्य सम्मेलन के सभापति कब बने थे?
अ. 1936 ई. ब. 1918 ई.
स. 1920 ई. द. 1947 ई.
उत्तर- ब. 1918 ई.

14. 'प्रगतिशील लेखक संघ' का प्रथम अधिवेशन कहां हुआ था?
अ. बनारस ब. पटना
स. लखनऊ द. इलाहाबाद
उत्तर- स. लखनऊ (उत्तरप्रदेश)

15. 'सरहपा' को हिंदी का प्रथम कवि किसने माना?
अ. मिश्र बंधु
ब. चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
स. राहुल सांकृत्यायन
द. हजारी प्रसाद द्विवेदी
उत्तर- स. राहुल सांकृत्यायन

16. सुमित्रा नंदन पंत को 'चिदंबरा' पर कौन सा पुरस्कार प्रदान किया गया?
अ. ज्ञानपीठ पुरस्कार
ब. साहित्य अकादमी
स. व्यास सम्मान
द. हिंदी अकादमी सम्मान
उत्तर- अ. ज्ञानपीठ पुरस्कार

17. रामधारी सिंह 'दिनकर' को 'उर्वशी' पर किस वर्ष भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?
अ. 1968 ई. ब. 1980 ई.
स. 1969 ई. द. 1972 ई.
उत्तर- द. 1972 ई.

18. हिन्दी के किस कवि को 'भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार' सबसे पहले मिला?
अ. मैथिलीशरण गुप्त
ब. माखनलाल चतुर्वेदी
स. गया प्रसाद 'शुक्ल' सनेही
द. सुमित्रानंदन पंत
उत्तर- द. सुमित्रानंदन पंत

19. इनमें से कौन सी कृति साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत नहीं है?
अ. नीला चांद
ब. कितनी नावों में कितनी बार
स. अकाल में सारस
द. आंगन के पार द्वार
उत्तर- ब. कितनी नावों में कितनी बार

20. हिन्दी कविता के लिए साहित्य अकादमी का पुरस्कार किस कवि को नहीं मिला है?
अ. नागार्जुन
ब. माखनलाल चतुर्वेदी
स. सुमित्रा नंदन पंत
द. अज्ञेय
उत्तर- अ. नागार्जुन

21. हिन्दी साहित्य में 'कलम का सिपाही' किसे कहा गया?
अ. अमृत लाल नागर
ब. राम विलास शर्मा
स. प्रेमचंद
द. बाबूराव विष्णु पराड़कर
उत्तर- स. प्रेमचंद

22. प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन कहां आयोजित किया गया?
अ. हैदराबाद ब. नागपुर
स. मुंबई द. दिल्ली
उत्तर- ब. नागपुर

23. 'जैसे उड़ि जहाज को पंछी पुनि जहाज पै आवै' यह किसकी पंक्ति है?
अ. सूरदास
ब. इलाचंद जोशी
स. भारतेंदु हरिश्चंद्र
द. जगन्नाथदास रत्नाकर
उत्तर- अ. सूरदास

24. हिन्दी साहित्य में 'ददा' के नाम से प्रसिद्ध कवि कौन हैं?
अ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
ब. सियाराम शरण गुप्त
स. मैथिलीशरण गुप्त
द. माखन लाल चतुर्वेदी
उत्तर- स. मैथिलीशरण गुप्त

25. ब्रज भाषा का विकास अपभ्रंश के किस रूप से हुआ?
अ. मागधी ब. अर्द्धमागधी
स. शौरसेनी द. पैशाची
उत्तर- स. शौरसेनी

26. वेणी संहार किस विद्या की रचना है?
अ. निबंध ब. कहानी
स. नाटक द. लघुकथा
उत्तर- स. नाटक

27. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का जन्म कब हुआ था?
अ. 7 जुलाई, 1883
ब. 15 जुलाई, 1884
स. 9 जुलाई, 1884
द. 10 जुलाई, 1880
उत्तर- अ. 7 जुलाई, 1883

28. मैथिलीशरण गुप्त की कौन सी रचना हिंदी में काव्य का अत्यंत लोकप्रिय प्रबंध काव्य बनी?
अ. भारत भारती ब. साकेत
स. मंगलघट द. पंचवटी
उत्तर- ब. साकेत

29. बरवै रामायण में कितने कांड हैं?
अ. पांच ब. चार
स. सात द. तीन
उत्तर- स. सात

30. 'काबा और कर्बला' किसकी रचना है?
अ. मैथिलीशरण गुप्त
ब. सियाराम शरण गुप्त
स. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
द. बदरी नारायण चौधरी
उत्तर- अ. मैथिलीशरण गुप्त

31. आंचलिकता को कथा-साहित्य की एक विशेष प्रवृत्ति के रूप में प्रतिस्थापित करने का श्रेय किसे दिया जाता है?
अ. नागार्जुन
ब. प्रेमचंद
स. फणीश्वरनाथ रेणु
द. रामदरश मिश्र
उत्तर- स. फणीश्वरनाथ रेणु

32. 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' किस युग को माना गया?
अ. नई कविता ब. छायावाद
स. प्रगतिवाद द. प्रयोगवाद
उत्तर- ब. छायावाद

33. इन कहानीकारों में साठोत्तरी पीढ़ी का कहानीकार कौन है?
अ. यशपाल ब. प्रेमचंद
स. रांगेय राघव द. ज्ञान रंजन
उत्तर- द. ज्ञान रंजन

34. इनमें से किस उपन्यास को पूरा करने से पूर्व प्रेमचंद का निधन हो गया?
अ. कर्मभूमि ब. कायाकल्प
स. मंगलसूत्र द. प्रेमाश्रम
उत्तर- स. मंगलसूत्र

35. 'राखी की चुनौती' कविता किस रचनाकार की है?
अ. माखनलाल चतुर्वेदी
ब. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
स. सुभद्रा कुमारी चौहान
द. वृंदावन लाल वर्मा
उत्तर- स. सुभद्रा कुमारी चौहान

36. इनमें से किस निबंधकार ने 'नवभारत टाइम्स' का संपादन किया?
अ. महावीरप्रसाद द्विवेदी
ब. विद्यानिवास मिश्र
स. कुबेर नाथ राय
द. हजारी प्रसाद द्विवेदी
उत्तर- ब. विद्यानिवास मिश्र

37. पाश्चात्य काव्यशास्त्र में नाटक के कितने तत्व माने गए हैं?
अ. बारह ब. चार
स. छः द. तीन
उत्तर- स. छः

38. 'कल सुनना मुझे' कविता संग्रह किसका है?
अ. शमशेर बहादुर ब. दुष्यंत
स. मुक्तिबोध द. धूमिल
उत्तर- द. धूमिल

39. इनमें से कौन से रचनाकार कहानी पत्रिका 'सारिका' के संपादक थे?
अ. मोहन राकेश ब. अज्ञेय
स. रघुवीर सहाय द. निर्मल वर्मा
उत्तर- अ. मोहन राकेश

40. नाटकों में पर्दे के पीछे से दी जाने वाली सूचना को क्या कहा जाता है?
अ. अंकास्य ब. सूत्रधार
स. अंकावतार द. चूलिका
उत्तर- द. चूलिका

41. 'जयतु जयतु घुमक्कड़ पंथा' और चरति भिक्कवे किस रचनाकार का उद्घोष और मूलमंत्र बना?
अ. नागार्जुन
ब. राहुल सांकृत्यायन
स. गणेश शंकर विद्यार्थी
द. अज्ञेय
उत्तर- ब. राहुल सांकृत्यायन

42. 'विराटा की पदमनी' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
अ. फणीश्वरनाथ रेणु
ब. वृंदावन लाल वर्मा
स. मनु शर्मा
द. विष्णु प्रभाकर
उत्तर- ब. वृंदावन लाल वर्मा

43. महाभारतकाल की पृष्ठभूमि पर वर्तमान युग के परिवेश को चित्रित करने वाली कृति कौन सी है?
अ. अंधायुग
ब. कामायनी
स. चांद का मुंह टेढ़ा
द. संसद से सड़क तक
उत्तर- अ. अंधायुग

44. 'जंजीरें और दीवारें' पुस्तक के रचनाकार कौन हैं?
अ. उपेन्द्र नाथ 'अश्क'
ब. रामेश्वर शुक्ल अंचल
स. रामवृक्ष बेनीपुरी
द. यशपाल
उत्तर- स. रामवृक्ष बेनीपुरी

45. ब्रजभाषा, खड़ी बोली, हरियाणवी, बुंदेली और कन्नौजी बोलियां हिन्दी की बोलियों के किस वर्ग की हैं?
अ. पूर्वी हिन्दी ब. पश्चिमी हिन्दी
स. राजस्थानी द. पहाड़ी
उत्तर- ब. पश्चिमी हिन्दी

46. देवनागरी लिपि में हिन्दी के अतिरिक्त और कौन सी भाषा लिखी जाती है?
अ. तमिल ब. बंगला
स. पंजाबी द. मराठी
उत्तर- द. मराठी

47. 'द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिंदुस्तान' के लेखक कौन हैं?
अ. जॉर्ज ग्रियर्सन ब. गार्सा द तॉसी
स. रैने बैलक द. गिलक्राइस्ट
उत्तर- अ. जॉर्ज ग्रियर्सन

48. 'गार्सा द तॉसी ने' 'हस्त्वार द ला लितरेत्यूर ऐंदुई हरोंदूस्तादी' ग्रंथ की रचना किस भाषा में की?
अ. अंग्रजी ब. रूसी
स. फ्रेंच द. जर्मन
उत्तर- स. फ्रेंच

49. किस आलोचक ने आदिकाल को 'बीजवपन काल' नाम से अभिहित किया है?
अ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
ब. महावीर प्रसाद द्विवेदी
स. श्याम सुंदर दास
द. राम कुमार वर्मा
उत्तर- ब. महावीर प्रसाद द्विवेदी

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

ऊर्जा विभाग के अधीन 4300 भर्तियां करेगी पश्चिम क्षेत्र कंपनी - ऊर्जा मंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार संकल्प पत्र के तहत ऊर्जा विभाग भी करीब 4300 भर्ती करेगा। इसके लिए ऊर्जा विभाग ने मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर को भर्ती के लिए नोडल कंपनी नामित किया है। पश्चिम क्षेत्र कंपनी द्वारा सभी कंपनियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित कर 4300 शासकीय सेवाओं के पदों की भर्ती के लिए प्रक्रिया तेज कर दी है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि इन भर्तियों से सभी कंपनियों, विशेषकर वितरण कंपनियों में कार्मिकों की कमी काफी हद तक पूर्ण हो जाएगी। साथ ही उपभोक्ता सेवाओं में बढ़ोत्तरी होगी।

पश्चिम क्षेत्र कंपनी की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि पश्चिम क्षेत्र और पूर्व क्षेत्र कंपनी द्वारा करीबन 1400-1400 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अलावा मध्य क्षेत्र कंपनी द्वारा करीब 900, ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 300, जनरेशन कंपनी द्वारा करीब 270 पदों पर भर्ती की जा रही है। इस तरह विद्युत लाइनमैन, विद्युत जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर, लॉ ऑफिसर, सिक्युरिटी ऑफिसर, एचआर और आईटी मैनेजर, आफिस असिस्टेंट, प्लांट असिस्टेंट, लैब टेक्निशियन, केमिस्ट, वेलफेयर असिस्टेंट, सिविल इंजीनियर, मेडिकल ऑफिसर, कम्प्यूटर प्रोग्रामर,चार्टर्ड अकाउंटेंट, लीगल एजिक्यूटिव इत्यादि करीब 4 हजार 300 कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया की विभिन्न चरणों में तैयारी जारी है। मप्रपक्षेविविकं के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान व अन्य सहयोगी कंपनियों के मानव संसाधन संकाय प्रमुखों की वीडियो कॉन्फ्रेंस से मीटिंग हुई इसमें भर्ती प्रक्रिया पर विचार किया गया।

मध्यप्रदेश सहित देश और दुनिया में साइबर सुरक्षा में कॅरियर का नया आसमान

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

इस समय साइबर सुरक्षा (साइबर सिक्योरिटी) में कॅरियर के अवसर छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं कि कोविड-19 के बाद की दुनिया डिजिटल दुनिया के रूप में दिखाई दे रही है और तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों के कारण डिजिटल दुनिया में साइबर सुरक्षा की अहमियत ऊंचाई पर पहुंचते हुए दिखाई दे रही है।

बढ़ते साइबर अपराधों को रोकने के लिए साइबर सुरक्षा की अहमियत

हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल (एनसीआरपी) को 2020 से फरवरी 2024 तक साइबर धोखाधड़ी से संबंधित 31 लाख से अधिक शिकायतें मिली हैं। केंद्र सरकार के एक आधिकारिक बयान में कम्युनिकेशन में साइबर धोखाधड़ी में गिरफ्तारियों की कम संख्या को लेकर चिंता जताई गई है। साइबर धोखाधड़ी के मामलों में कुल गिरफ्तारियां कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा दर्ज किए गए मामलों के एक फीसदी से कम हैं। साइबर फ्रॉड में दर्ज करीब 66 हजार मामलों में गिरफ्तारी केवल 500 की हुई है। यह भी महत्वपूर्ण है कि बढ़ते साइबर अपराधों के कारण अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। एक सरकारी आकलन में सामने आया है कि पिछले तीन वर्षों में साइबर धोखाधड़ी से 25 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

छलांगें लगाकर बढ़ रहा है साइबर सुरक्षा का बाजार

जैसे-जैसे हमारी जिंदगी में इंटरनेट की दखल बढ़ती जा रही है वैसे-वैसे ही साइबर

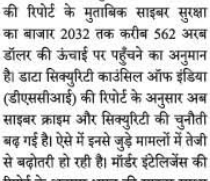

क्राइम की रफ्तार भी बढ़ रही है। साइबर क्राइम के अंतर्गत ब्लैकमेलिंग, स्टॉकिंग, कॉपीराइट, क्रेडिट कार्ड चोरी, फ्रॉड, पोर्नोग्राफी, डिजिटल अरेस्ट आदि साइबर ठगी के मामले आते हैं। हाल ही में प्रकाशित वैश्विक साइबर बाजार का विश्लेषण करने वाले संगठन फॉर्च्यून बिजनेस इनसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक साइबर सुरक्षा का बाजार 2032 तक करीब 562 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुँचने का अनुमान है। डाटा सिक्युरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई) की रिपोर्ट के अनुसार अब साइबर क्राइम और सिक्युरिटी की चुनौती बढ़ गई है। ऐसे में इनसे जुड़े मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। मॉर्डर इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार भारत की साइबर सुरक्षा सेवा कंपनियों का बाजार आकार वर्ष 2024 में 4.70 अरब डॉलर का है, यह बाजार 2029 तक बढ़कर करीब 10.90 अरब डॉलर का हो जाने का अनुमान है।

वर्ष 2025 तक 10 लाख स्किल्ड साइबर सुरक्षा प्रोफेशनल्स की जरूरत

देश में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कॅरियर के अवसर कितने तेजी से बढ़ रहे हैं, इसका

अंदाज साइबर सुरक्षा टास्क फोर्स की रिपोर्ट से लगा सकते हैं। इसके मुताबिक भारत में वर्ष 2025 तक 10 लाख स्किल्ड साइबर सुरक्षा प्रोफेशनल्स की जरूरत बताई गई है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में भी निजी और सरकारी क्षेत्र में साइबर सुरक्षा प्रोफेशनल की मांग बढ़ती जा रही है। मध्यप्रदेश में भी साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी वर्ष 2024 में जुलाई तक मध्यप्रदेश के लोगों के लगभग 300 करोड़ रुपये ठगों ने उड़ा लिए। विभिन्न प्रयासों के बाद भी इसमें से लगभग 12 प्रतिशत राशि ही मिल पाएगी। ऐसे में मध्यप्रदेश में देश-दुनिया में ठगों के नेटवर्क तक पहुंचने और उन्हें पकड़ने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में पहली बार साइबर कंसल्टेंट्स (सलाहकारों) की भर्ती होने जा रही है। पहले चरण में 26 पदों पर नियुक्ति होगी। कंसल्टेंट के अतिरिक्त प्रदेश में अगले वर्ष 2025 में साइबर कमांडो भी पदस्थ किए जाने की संभावना है।

वर्क फ्रॉम होम से बढ़े साइबर जोखिम ने बढ़ाए कॅरियर के मौके

जैसे-जैसे वर्क फ्रॉम होम का चलन बढ़ा है। वैसे-वैसे कंपनियों के लिए साइबर सुरक्षा का जोखिम बढ़ा है। चूँकि कंपनियों के निजी आंकड़ों को कर्मचारी अपने घर से लैपटॉप या घर पर लगे कम्प्यूटर से एक्सेस कर रहे हैं। ऐसे में उनमें उसी स्तर का फायरवॉल या सिक्योरिटी सिस्टम न हो, जो ऑफिस वाले कम्प्यूटर में होता है। अतएव साइबर अटैक की आशंका बढ़ जाती है। ज्ञातव्य है कि भारत का अपना अलग इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट है। इस कानून में हैकिंग, क्रेडिट कार्ड फ्रॉड, साइबर स्टॉकिंग, ब्लैकमेलिंग, कम्प्यूटर

सोर्स कोड के प्रसारण, नग्नता तथा बौद्धिक संपदा, कॉपीराइट तथा ट्रेडमार्क से जुड़े अपराध के खिलाफ सख्त प्रावधान बनाए गए हैं। वर्तमान में इंटरनेट पर होने वाले सभी अपराधों के मामले साइबर सुरक्षा प्रोफेशनल्स के माध्यम से ही निपटाए जा रहे हैं।

बहुआयामी साइबर सुरक्षा से बढ़ते रोज़गार के मौके

सामान्यतया एक साइबर सुरक्षा प्रोफेशनल के दो तरह के दायित्व हो सकते हैं। एक वह उसके कार्य क्षेत्र में आने वाले लोगों को साइबर अटैक से बचने और डाटा को सुरक्षित रखने संबंधी प्रमुख उपायों की जानकारी दे और दो, साइबर क्राइम की रोकथाम करे। साइबर सुरक्षा प्रोफेशनल के द्वारा जिन पांच प्रमुख उपायों की जानकारियां दी जानी चाहिए वे हैं- एक, हर प्लेटफॉर्म पर पासवर्ड मजबूत बनाने संबंधी मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। पासवर्ड में अल्फा-न्यूमरिक के साथ-साथ स्पेशल कैरेक्टर का इस्तेमाल उपयोगी होता है। अलग-अलग अकाउंट पर एक ही पासवर्ड इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। वाई फाई को भी मजबूत पासवर्ड से सिक्योर किया जाना चाहिए। दो, पर्सनल डिवाइस पर एप में संवेदनशील डेटा स्टोर करने वाले सिक्योरिटी टूल संबंधी पूरी जानकारी दी जानी चाहिए जो मालवेयर, रैनसमवेयर या साइबर क्राइम का पता लगा सके। घर के नेटवर्क में इसके लिए अक्सर फायरवॉल और एनक्रिप्शन का उपयोग किया जाता है। फायरवॉल डिवाइस, एप्लीकेशन को साइबर हमले से बचाती है। पब्लिक वाई-फाई से जुड़ना भी स्मार्टफोन और एप के लिए जोखिम की वजह बन सकता है। तीन, साइबर-इंश्योरेंस भी जरूरी है। साइबर सुरक्षा के तमाम उपाय करने के बावजूद हैकर्स साइबर क्राइम के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। इसे देखते हुए साइबर-इंश्योरेंस कवर लेना अब लाभप्रद बन गया है। एक कॉम्प्रिहेंसिव साइबर इंश्योरेंस कवर विभिन्न प्रकार के साइबर जोखिम के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है। चार, चूंकि साइबर अपराधी अक्सर ई-मेल के जरिए फिशिंग हमले करते हैं। यूजर को ऐसे ई-मेल असली लगते हैं लेकिन वह फर्जी होते हैं। इनसे बचने संबंधी तरीके की जानकारी दी जानी चाहिए। पांच, टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन उपयोगिता ध्यान में रखी जानी चाहिए। हो सकता है कि हैकर किसी व्यक्ति के पासवर्ड को चोरी कर सकता है, लेकिन उसके पास मोबाइल मौजूद नहीं होगा जिस पर वेरिफिकेशन कोड या ओटीपी आएगा। इससे हैकर एक्सेस नहीं कर सकेगा।

साइबर फॉरेंसिक सेक्टर में तेजी से बढ़ते अवसर

साइबर सुरक्षा सेक्टर में साइबर क्राइम बढ़ने से साइबर फॉरेंसिक क्षेत्र भी कॉरियर की नई फील्ड के तौर पर उभरा है। यदि हम तेजी से बढ़ते हुए अन्य क्षेत्रों को देखें तो पाते हैं कि ब्लैकबेरी और आईफोन जैसे एडवांस स्मार्टफोन्स और फेसबुक जैसी तमाम सोशल नेटवर्किंग साइट्स के बढ़ते इस्तेमाल ने साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट्स के लिए नई कॅरियर संभावनाएं पैदा की हैं। इसके अलावा क्लाउड सिक्योरिटी और इंडस्ट्रियल सिस्टम की सुरक्षा जैसे विकल्प आगे बढ़ रहे हैं। वेब एप्लिकेशन की सुरक्षा पर भी अब पहले की तुलना में ज्यादा ध्यान दिया जाने लगा है। इससे इस क्षेत्र में भी कॅरियर बढ़ गए हैं। निश्चित रूप से मौजूदा मार्केट को देखते हुए मशीन लर्निंग, बिग डेटा, आईओटी, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ब्लॉकचेन जैसी स्किल की मांग बढ़ रही है।

साइबर लॉ सेक्टर में कॅरियर की ऊंची संभावनाएं

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि यदि आपकी एक मुट्ठी में साइबर सुरक्षा से संबंधित टेक्निकल डिग्री हो और दूसरी मुट्ठी में साइबर लॉ की डिग्री हो तो आपका कॅरियर उज्ज्वल बन सकता है। साइबर लॉ आपके लिए संभावनाओं से भरपूर क्षेत्र है। वर्तमान में इंटरनेट पर होने वाले सभी अपराधों के मामले साइबर लॉ के माध्यम से ही निपटाए जा रहे हैं। साइबर अपराधों के साथ-साथ साइबर लॉयर की मांग भी खासी बढ़ रही है। वास्तव में साइबर लॉ एक तरह का विनियमन है जो कॉपीराइट, बौद्धिक संपदा, अनुबंध आदि को अधिशासित करता है। इन विनियमों पर किसी एक देश का अधिकार नहीं है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी जगत में यह विस्तारित है। भारत में तकनीकी क्रांति, सूचना क्रांति, बीपीओ बूम और फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट से संबंधित नियमों के सरलीकरण के चलते विदेशी कंपनियों का देश में तांता लग गया है। ऐसे में देश में कॉर्पोरेट वकीलों तथा साइबर लॉ विशेषज्ञों की जबरदस्त मांग है। यदि आपकी सूचना प्रौद्योगिकी में अच्छी पकड़ है और लॉ के क्षेत्र में कॅरियर बनाने में दिलचस्पी है तो साइबर लॉ आपके लिए संभावनाओं से भरपूर क्षेत्र है। साइबर लॉयर बनकर आप साइबर लॉ के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाकर साइबर क्राइम विशेषज्ञ के रूप में ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। मूलत: साइबर लॉयर वह शख्स होता है, जो हैकिंग, क्रेडिट कार्ड जलसाजी, ई-कॉमर्स तथा इंटरनेट पर ई-बिजनेस से रक्षोपाय के लिए डिजिटल हस्ताक्षर के संरक्षण, इनक्रिप्शन कोड या इलेक्ट्रॉनिक कोड आदि से जुड़े अपराधों से निपटता है। बौद्धिक संपदा कानून अथवा कॉपीराइट्स, सॉफ्टवेयर पेटेन्ट्स, नेट बैंकिंग जैसे प्रकरण भी साइबर लॉ की मदद से निपटाए जाते हैं। इसके लिए आपको विधि विषय में स्नातक उपाधि प्राप्त करने के बाद साइबर लॉ में डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करना होगा। साइबर लॉ में कोर्स करने के उपरांत आप स्वतंत्र रूप से बतौर कंसल्टेंट अपना कॅरियर आरंभ कर सकते हैं अथवा साइबर क्राइम से जुड़े प्रकरणों में वकीलों की सहायता करने के लिए किसी लीगल कंसल्टिंग तथा आरबिट्रेशन फर्म में असिस्टेंट या जूनियर प्रैक्टिशनर की भूमिका अदा कर सकते हैं।

सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में साइबर सुरक्षा में कॅरियर के भरपूर मौके

गौरतलब है कि साइबर सुरक्षा प्रोफेशनल्स के लिए गवर्नमेंट सेक्टर, आईटी, बैंक, फाइनेंस, ऑयल एंड गैस, टेलिकॉम, पावर, एयरलाइंस, ऑनलाइन मीडिया कंपनी, सोशल मीडिया आदि में कॅरियर के बढ़ते हुए मौके हैं। देशी-विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों में भी एथिकल हैकर्स की भारी डिमांड है। यदि हम तेजी से बढ़ते हुए अन्य क्षेत्रों को देखें तो पाते हैं कि ब्लैकबेरी और आईफोन जैसे एडवांस स्मार्टफोन्स और फेसबुक जैसी तमाम सोशल नेटवर्किंग साइट्स के बढ़ते इस्तेमाल ने साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट्स के लिए नई कॅरियर संभावनाएं निर्मित की हैं।

साइबर सुरक्षा में कॅरियर की जरूरी स्किल्स

यह बात महत्वपूर्ण है कि साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में साइंस ही नहीं, बल्कि लॉ, आर्ट्स और कॉमर्स बैकग्राउंड वाले छात्रों के लिए भी कई तरह के कोर्सेज हैं। इस क्षेत्र में आने के लिए कम्प्यूटर और इंग्लिश स्किल्स बुनियादी जरूरत होती है। लैटरल हायरिंग के लिए ऐसे प्रोफेशनल्स की जरूरत होती है, जिन्होंने सी, सी++, विंडोज कर्नेल, मालवेयर एनालिसिस, ऑटोमेशन और डेटा साइंस में काम किया हो। साथ ही कंपनियां ऐसे लोगों को तवज्जो देती हैं, जिनमें खुद से कुछ कर दिखाने की ललक हो।

साइबर सुरक्षा सेक्टर में कॅरियर के लिए जरूरी डिग्रियां और जरूरी प्रशिक्षण

इस क्षेत्र में अच्छा कॅरियर बनाने के लिए 12वीं के बाद कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस, आईटी में बीटेक, बीई

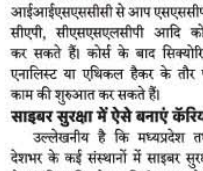

कर सकते हैं। इनमें दाखिले के लिए 12वीं पीसीएम से पास होना जरूरी है। इसके बाद कम्प्यूटर साइंस, कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, नेटवर्क इंजीनियरिंग, आईटी, साइबर सुरक्षा, इंफोर्मेशन सिक्योरिटी या कम्प्यूटर फॉरेंसिक में एमटेक का भी विकल्प है। इसके अलावा सिस्को और आईआईएसएससीसी (इंटरनेशनल इंफोर्मेशन सिस्टम सिक्योरिटी सर्टिफिकेशन कंसोर्टियम) के सर्टिफिकेशन कोर्स भी हैं। सिस्को में सीसीएसपी, सीसीडीए, सीसीईएनटी जैसे कई कोर्सेज हैं। आईआईएसएससीसी से आप एसएससीपी, सीएपी, सीएसएसएलपीपी आदि कोर्स कर सकते हैं। कोर्स के बाद सिक्योरिटी एनालिस्ट या एथिकल हैकर के तौर पर काम की शुरुआत कर सकते हैं।

साइबर सुरक्षा में ऐसे बनाएं कॅरियर

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश तथा देशभर के कई संस्थानों में साइबर सुरक्षा से संबंधित डिप्लोमा, डिग्री तथा पोस्ट ग्रेजुएशन के विभिन्न कोर्स उपलब्ध हैं। आप अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप साइबर सुरक्षा का पाठ्यक्रम करने वाले किसी गुणवत्तापूर्ण संस्थान का चयन करके साइबर सुरक्षा के अच्छे कॅरियर की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मेघालय

पद का नाम - विद्युत इंजीनियरिंग विभाग में तकनीकी सहायक, अधीक्षक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग में तकनीशियन, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में तकनीशियन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में तकनीशियन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में तकनीशियन, कनिष्ठ सहायक

पदों की संख्या - 10

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 12 नवंबर, 2024

वेबसाइट - https://nitm.ac.in

राइट्स लिमिटेड

पद का नाम - तकनीशियन-III

पदों की संख्या - 15

योग्यता - मैट्रिक पास साथ ही आईटीआई से सिविल इंजीनियरिंग असिस्टेंट/ड्राफ्ट्समैन/सर्वेयर/कैड ऑपरेटर का सर्टिफिकेट होना आवश्यक

अंतिम तिथि - 08 नवंबर, 2024

वेबसाइट - https://www.rites.com

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

पद का नाम - परियोजना विशेषज्ञ, तकनीकी परियोजना प्रबंधक (आईटी), परियोजना सहायक, सलाहकार (संचार एवं परियोजना प्रबंधक) और बहु कार्य कर्मचारी

पदों की संख्या - 10

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 07 नवंबर, 2024

वेबसाइट - https://ndma.gov.in

केरल शिक्षा सोसायटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल

पद का नाम - नर्सरी शिक्षक, सहायक शिक्षक, व्याख्याता (पीजीटी)- कम्प्यूटर विज्ञान, व्याख्याता (पीजीटी)- रसायन विज्ञान, व्याख्याता (पीजीटी)- इतिहास, टीजीटी- कम्प्यूटर विज्ञान, टीजीटी- मलयालम, टीजीटी- प्राकृतिक विज्ञान, चपरासी, माली, सफाई कर्मचारी, चौकीदार

पदों की संख्या - 15

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 11 नवंबर, 2024

वेबसाइट - https://keralaschoolrkp.org/about-us/vacancies

नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड

पद का नाम - कनिष्ठ अभियंता सहायक ग्रेड-II (उत्पादन, यांत्रिक, इंस्ट्रूमेंटेशन, विद्युत, रासायनिक प्रयोगशाला), स्टोर सहायक, लोको परिचायक ग्रेड-II, कनिष्ठ अभियंता सहायक ग्रेड-II (यांत्रिक-ड्राफ्ट्समैन, यांत्रिक-एनडीटी), नर्स, औषधज्ञ, प्रयोगशाला तकनीशियन, एक्स-रे तकनीशियन, लेखा सहायक, परिचायक ग्रेड-I (यांत्रिक-फिटर, यांत्रिक-वेल्डर, यांत्रिक-ऑटो इलेक्ट्रीशियन, यांत्रिक-डीजल मैकेनिक, यांत्रिक-टर्नर, यांत्रिक-मशीनिस्ट, यांत्रिक-वेयरिंग मशीन), परिचायक ग्रेड-I (इंस्ट्रूमेंटेशन), परिचायक ग्रेड-I (विद्युत), लोको परिचायक ग्रेड-III और ओटी तकनीशियन

पदों की संख्या - 336

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 08 नवंबर, 2024

वेबसाइट - https://www.national-fertilizers.com

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया

पद का नाम - ट्रेनी इंजीनियर्स (इलेक्ट्रिकल)

पदों की संख्या - 47

योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से इलेक्ट्रिकल विषय में 60 प्रतिशत अंकों के साथ बीई/बीटेक/बीएससी (इंजीनियरिंग) की डिग्री

अंतिम तिथि - 06 नवंबर, 2024

वेबसाइट - https://www.powergrid.in

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

पद का नाम - प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, लाइब्रेरियन

पदों की संख्या - 56

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 08 नवंबर, 2024

वेबसाइट - https://www.nerist.ac.in

इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रीशन, हाजीपुर

पद का नाम - टीचिंग एसोसिएट

पदों की संख्या - 02

योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से होटल मैनेजमेंट/होटल एडमिनिस्ट्रेशन/कलरी आर्ट में तीन वर्षीय डिग्री साथ ही एनएचटीईटी क्वालिफाइ हो।

अंतिम तिथि - 07 नवंबर, 2024

वेबसाइट - https://www.ihmhajipur.net

राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन

पद का नाम - वैज्ञानिक 'बी' (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, कम्प्यूटर साइंस, जियो इंफॉर्मेटिक्स एंड रिमोट सेंसिंग, मैथेमेटिक्स)

पदों की संख्या - 75

योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या संस्थानों से संबंधित विषयों प्रथम श्रेणी में मास्टर्स डिग्री

अंतिम तिथि - 08 नवंबर, 2024

वेबसाइट - https://recruit-ndl.nielit.gov.in

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नागपुर

पद का नाम - प्रोफेसर, एडिशनल प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर

पदों की संख्या - 62

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 07 नवंबर, 2024

वेबसाइट- https://aiimsnagpur.edu.in

सैनिक स्कूल कपूरथला

पद का नाम - एलडीसी, पीईएम/पीटीआई कम मैट्रन, नर्सिंग सिस्टर

पदों की संख्या - 03

योग्यता - पदानुसार

अंतिम तिथि - 05 नवंबर, 2024

वेबसाइट- www.sskapurthala.com

स्कॉलरशिप अलर्ट

धर्मपाल फैलोशिप

संस्थान का नाम - स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश

योग्यता- इस छात्रवृत्ति के लिए दर्शन, इतिहास, सामाजिक विज्ञान, मानविकी विधाओं, साहित्य अथवा कलाओं में से किसी एक विषय में पीएच.डी उपाधिधारी आवेदन कर सकते हैं।

छात्रवृत्ति राशि - सीनियर फैलोशिप- 6 लाख रुपये तक, जूनियर फैलोशिप- 4 लाख 32 रुपये तक

अंतिम तिथि - 20 नवंबर, 2024

वेबसाइट - www.swarajsansthan.org

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

हमारा जिला सतना

प्राकृतिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विशिष्टता से समृद्ध है सतना

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज, जलवायु, खनिज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए हैं। 'रोज़गार और निर्माण' के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है सतना जिले का परिचय -

सतना रीवा संभाग में शामिल जिला है। मध्यप्रदेश में मुंबई-हावड़ा रेल लाइन पर जबलपुर-इलाहाबाद के बीच स्थित सतना, विंध्य प्रदेश का प्रदेश-द्वार कहा जाता है। यह रेल मार्ग द्वारा विंध्य प्रवेश का प्रथम जिला है। इसके अलावा प्रसिद्ध तीर्थ चित्रकूट धाम सतना जिले में स्थित है। इस जिले में रामवन, बिरसिंहपुर, कालिका मंदिर भरजुना, धारकुंडी आश्रम, मुकुंदपुर सफारी आदि स्थान भी आकर्षण के केन्द्र हैं। तत्कालीन विंध्य प्रदेश की राजधानी रीवा थी जिसके अंर्तगत सतना था।

सतना का नाम मध्यप्रदेश के 7 स्मार्ट शहरों में लिया जाता है, यह विंध्य का सबसे विकसित शहर माना जाता है। यहां सीमेन्ट के दो कारखाने, सतना सीमेन्ट फैक्ट्री, यूनिवर्सल केबल्स फैक्ट्री, प्रिज्म सीमेन्ट आदि हैं। इनके अलावा यहां चूना, सर्फ, नमकीन, तम्बाकू, चायपत्ती, डालडा एवं अन्य कई उद्योगों के विभिन्न छोटे-बड़े संस्थान स्थापित हैं। बीड़ी उत्पादकों के कई संस्थान हैं।

सतना के इतिहास में शुरुआती बौद्ध पुस्तकों, महाभारत आदि बघेलखण्ड मार्ग को हैहय, कलचुरि या छेदी कबीले के शासकों से जोड़ते हैं। छेदी कबीले के मुख्य गढ़ कालिंजर थे और उनका नाम कालिंजरअदिश्वारा (कालिंजर का भगवान) था। फिर कलचुरियों ने आधिपत्य जमाया यहां बघेल राजदूतों का भी अधिकार रहा।

15वीं सदी तक बांधवगढ़ के बघेलों ने अपनी संपत्ति का विस्तार किया। बाघेल राजा रामचंद्र (1555-92), अकबर का समकालीन था। तानसेन, महान संगीतकार, रामचंद्र के यहां थे, वहीं से अकबर द्वारा उनके दरबार में बुलाया गया था। कहा जाता है कि राजा विक्रमादित्य ने बदोहगढ़ किले को 1618 में स्थापित किया था।

1812 में राजा जयसिंह (1809-35) के समय पिंडारियों ने रीवा क्षेत्र में छापा मारा। बाद में राजा जयसिंह ने शासन किया। वर्तमान सतना जिले के रघुराज नगर और पूरे अमरपतन तहसील, विंध्य प्रदेश के गठन से पहले रीवा राज्य में थे।

रुचि के स्थान

सतना जिले में 'भरहुत' नामक स्थान पर बौद्ध संस्कृति, पुरातात्विक अवशेष प्राप्त हुए हैं। रामवन के तुलसी संग्रहालय में प्राचीन काल की कई अनोखी कलात्मक मूर्तियां हैं। भगवान शिव मंदिर तथा बिरसिंहपुर इस क्षेत्र में प्रसिद्ध और पुराना मंदिर है इसके अलावा वेंकटेश मंदिर, चित्रकूट धाम आदि हैं।

शिव मंदिर, बिरसिंहपुर

भगवान शिव का इस क्षेत्र में एक प्रसिद्ध और पुराना मंदिर है। यह सतना से लगभग 35 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। यहां शिव की बहुत ही मनमोहक मूर्ति है। रविवार को मंदिर में विशेष आरती का आयोजन किया जाता है। महाशिवरात्रि के दिन यहां बड़ा मेला भी लगता है।

चित्रकूट धाम

चित्रकूट धाम में धार्मिक और पौराणिक महत्व के बहुत से स्थान शामिल हैं। प्रशासनिक दृष्टि से कुछ स्थान उत्तरप्रदेश में और कुछ मध्यप्रदेश में स्थित है। यहां आध्यात्मिक पर्यटक और तीर्थ यात्री-दर्शन के लिए आते हैं। यह रेल और सड़क मार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है।

प्राचीनतम तीर्थ स्थलों में से एक चित्रकूट सतना जिले में शामिल है। पौराणिक कथाओं के अनुसार त्रेता युग में भगवान श्रीराम को जब वनवास हुआ था तब भगवान श्रीराम ने सीता और लक्ष्मण सहित चित्रकूट के जंगलों में 11 वर्षों तक वनवास का समय व्यतीत किया था। मंदाकनी नदी के किनारे स्थित चित्रकूट में श्रद्धालु श्रद्धा भाव से दर्शन के लिए आते हैं। चित्रकूट में घूमने के लिए कई दार्शनिक और प्राकृतिक स्थान है।

इनमें गुप्त गोदावरी, राम घाट, राम भरत मिलन मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, सीता रसोई, हनुमान धारा, सती अनुसुइया आश्रम, स्फटिक शिला (सीता मां के पैरों के निशान) अत्रि आश्रम आदि प्रमुख है।

पन्नीखोह जलप्रपात

पन्नीखोह जलप्रपात सतना जिले में त्रिकूट पर्वत में स्थित एक प्राकृतिक झरना है। यहां पहाड़ के ऊपर से गिरती हुई झिलमिल जलधाराएं पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। पन्नीखोह जलप्रपात से हवा में उड़ती हुई पानी की बूंदे पर्यटकों को तरोताजा कर देती हैं।

गृद्धकूटा पर्वत

यह स्थान सतना से 65 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जो प्राकृतिक नैसर्गिग वातावरण से समृद्ध है। पर्वत में चार 4 गुफाएं हैं जिनमें रॉक पेंटिंग तथा मुराल पेंटिंग मुख्य आकर्षण हैं। यहां प्रतिवर्ष जनवरी के महीने में बसंत पंचमी के दिन विशाल मेला लगता है।

धारकुंडी आश्रम

धारकुंडी में प्रकृति और आध्यात्म का अनुपम मिलन देखने को मिलता है। मान्यता है कि सतपुड़ा पठार के विंध्याचल पर्वत में स्थित कुंड में सुधिष्ठिर और दक्ष का संवाद हुआ था। यह स्थल अब सतना का प्रमुख पर्यटन क्षेत्र है धारकुंडी आश्रम में प्राकृतिक दृश्य देखने को मिलता है।

एक नज़र में

क्षेत्र : 7502 वर्ग किलोमीटर

आबादी : 22,28,619 (वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)

भाषा : बघेली और हिंदी

पुरुष : 11,56,734

महिला : 10,71,885

उत्पादन- इस क्षेत्र में प्याज का उत्पादन किया जाता है।

रामवन सतना

मान्यता है कि त्रेता युग में भगवान श्री राम माता सीता और अनुज लक्ष्मण सहित यहां के वनों से होकर गुजरे थे इसलिए इस जगह को रामवन के नाम से जाना जाता है। रामवन मंदिर के पहले प्रवेश द्वार है। जहां से अंदर जाने पर वट वृक्ष के नीचे श्री गोवर्धन पर्वत तथा लीला के दृश्य को सजीव मूर्ती के रूप में बनाया गया है। मंदिर परिसर में चारों तरफ छोटे-छोटे दृश्यों के माध्यम से श्री राम की जीवन गाथा को मूर्ती रूप में प्रदर्शित किया गया है।

पारस मनिया पर्वत और झरना

यहां का प्राकृतिक वातावरण अत्यंत सुंदर है। यहां के हरे भरे वन और घाटी का मनोरम दृश्य बहुत ही आकर्षक है। जगह-जगह झरने, नदियां है। यह स्थान सतना शहर से लगभग 55 किलोमीटर दूर स्थित है जंगली गलियारों के बीच स्थित परसमनिया पर्वत के चोटी के ऊपर से शानदार दृश्य दिखाई पड़ता है।

भरहुत

सतना जिला भरहुत बौद्ध स्थल और कलाकृतियों के लिए जाना जाता है। यहां से 1873 में पुरातत्व सर्वेक्षण के दौरान बौद्ध स्तूपों को खोजा गया था। यहां सम्राट अशोक के शिलालेखों तथा उस समय के कलाकृतियों को देखा जा सकता है, सतना के भरहुत स्तूप द्वार से लगभग 6 किलोमीटर दूर लाल पहाड़ पर प्राचीन गुफाएं हैं।

तुलसी संग्रहालय

सतना जिले में प्रमुख विरासत स्थलों में से एक तुलसी संग्रहालय है। यह पुरातत्व संग्रहालय है। यह संग्रहालय रामवन नामक जगह में स्थित है जो सतना से लगभग 16 किलोमीटर दूर है। संग्रहालय को 1977 में स्थापित किया गया था। यह तुलसी संस्कृति के रूप में भी जाना जाता है। संग्रहालय में प्राचीन काल की मूर्तियां तथा प्रतीक चिन्हों में मिरकोट्टा, बर्च सन्दूक, ताड़ का पत्ता, कुछ दुर्लभ तांबे के सिक्के, तांबा प्लेट, सोने और चांदी की मूर्तियां आदि हैं। यह संग्रहालय सतना शहर के गौरवशाली अतीत को प्रकट करता है।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

व्यंकटेश मंदिर

व्यंकटेश मंदिर मुकुयारगंज, सतना में स्थित है। यह प्राचीन मंदिर दर्शनीय स्थल है।

जिम्बाब्वे ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बनाया सबसे बड़ा स्कोर

नैरोबी, जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिम्बाब्वे ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। जिम्बाब्वे ने यह कारनामा आईसीसी पुरुष ट्वेंटी-20 विश्वकप सब रीजनल अफ्रीका क्वालिफायर में गाम्बिया के खिलाफ मैच में किया। इस मैच में जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 344 रन बनाये। इससे पहले यह रिकॉर्ड नेपाल के नाम दर्ज था। नेपाल ने एशियाई खेल-2022 के दौरान मंगोलिया के खिलाफ 314 रन बनाये थे। वहीं टेस्ट दर्जा प्राप्त देशों में भारत के नाम एक ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड था। भारत ने 12 अक्टूबर 2024 को बांग्लादेश के खिलाफ 297 रन बनाये थे। अब यह दोनों रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के नाम हो गए हैं।

सुल्तान जोहोर कप

भारतीय टीम ने जीता कांस्य पदक

दुबई, गोलकीपर विक्रमजीत सिंह के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने सुल्तान जोहोर कप जूनियर हॉकी टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता है। कांस्य पदक के लिए खेले गए मुकाबले में भारतीय हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड को पेनाल्टी शूटआउट में 3-2 से मात दी।

मैच में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। भारतीय टीम को पहली सफलता पहले क्वार्टर के 11वें मिनट में मिली। दिलराज सिंह ने शानदार गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद 20वें मिनट ने मनमीत सिंह ने गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। न्यूजीलैंड की टीम ने पलटवार करने के कई प्रयास किए, मैच के अंतिम क्षणों में न्यूजीलैंड के लिए ओवेन ब्राउन (51वें मिनट) और जोंटी एल्मेस (57वें मिनट) ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक स्कोर बराबर रहने के बाद मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ। पेनाल्टी शूटआउट में गुरजोत सिंह, मनमीत सिंह और सौरभ आनंद कुशवाहा ने गोल किए, जबकि न्यूजीलैंड की टीम दो गोल ही कर सकी। पेनाल्टी शूटआउट में भारतीय गोलकीपर विक्रमजीत सिंह ने तीन गोल बचाए।

- न्यूजीलैंड के जोंटी एल्मेस ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 11 गोल किए।
- ग्रेट ब्रिटेन ने सबसे ज्यादा चार बार जीता है सुल्तान जोहोर कप।
- ग्रेट ब्रिटेन इससे पहले वर्ष 2015, 2018 और 2019 में भी जीता है यह खिताब।
- भारत तीन बार, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी दो-दो तथा मलेशिया एक बार बना है चैम्पियन।
- भारत वर्ष 2013, 2014 और 2022 में बना था चैम्पियन।
- टूर्नामेंट में भारत चार बार उपविजेता भी रहा है।

ग्रेट ब्रिटेन बना चैम्पियन

ग्रेट ब्रिटेन की जूनियर हॉकी टीम ने सुल्तान जोहोर कप का खिताब अपने नाम किया। ग्रेट ब्रिटेन ने टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराया। मैच में पहला गोल ऑस्ट्रेलिया के डेकिन स्ट्रेंजर ने 10वें मिनट में किया, इसके बाद डिलन डॉउनी ने गोल कर ऑस्ट्रेलिया की बढ़त दोगुनी कर दी। मैच में पिछड़ने के बाद ब्रिटिश टीम ने दमदार वापसी की। ग्रेट ब्रिटेन के लिए हैरीसन स्टोन (22वें मिनट), एलेक्स चिहोटा (40वें मिनट) और रोरी पेनरोस (51वें मिनट) ने गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

दीपिका ने तीरंदाजी विश्वकप में जीता रजत पदक

टिलेक्सकला, भारत की अनुभवी महिला तीरंदाज दीपिका कुमारी ने मैक्सिको में आयोजित तीरंदाजी विश्वकप फाइनल में रजत पदक जीता है। उन्होंने छह वर्ष बाद भारत को रिकर्व स्पर्धा में पदक दिलाया है। दीपिका का विश्वकप में यह पांचवां रजत पदक है। प्रतियोगिता में दीपिका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन फाइनल में दीपिका को चीन की तीरंदाज ली जियामन के हाथों 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि दीपिका ने नौवीं बार तीरंदाजी विश्वकप फाइनल में जगह बनाई है।

पुजारा ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बनाया 18वां दोहरा शतक

टिलेक्सकला, भारत के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने घरेलू क्रिकेट में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भारतीय टीम से बाहर चल रहे पुजारा ने रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के लिए खेलते हुए छत्तीसगढ़ के खिलाफ शानदार दोहरा शतक बनाया। पुजारा ने 383 गेंदों में 234 रनों की पारी खेली। पुजारा का रणजी ट्रॉफी में यह 25वां शतक है वहीं प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पुजारा का यह 18वां दोहरा शतक है। पुजारा प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अब तक 66 शतक लगा चुके हैं। उन्होंने इस मामले में महान बल्लेबाज ब्रायन लारा को पीछे छोड़ दिया है।

न्यूजीलैंड ने भारत में पहली बार जीती टेस्ट सीरीज

पुणे, बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण भारत को पुणे टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत में टेस्ट सीरीज जीती है। न्यूजीलैंड ने पुणे में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 113 रनों से हराया। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड 2-0 से आगे हो गया है। इस हार के साथ ही भारतीय टीम का घरेलू मैदान पर पिछले 12 वर्ष से टेस्ट सीरीज न हारने का सिलसिला थम गया है।

मैच में न्यूजीलैंड ने डेवोन कॉन्वे (76) और रचिन रवींद्र (65) की शानदार पारियों के दम पर पहली पारी में 259 रन बनाये। भारत के लिए वॉशिंगटन सुंदर ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 7 विकेट लिए। पहली पारी में भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। न्यूजीलैंड के स्पिनर मिशेल सेंटनर के सामने भारतीय बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए और 156 रन पर आउट हो गए। दूसरी पारी में टॉम लॉथम (86) की शानदार पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने 255 रन बनाकर भारत के सामने 359 रनों का लक्ष्य रखा। भारतीय बल्लेबाजों के लिए यह लक्ष्य पार करना असंभव हो गया।

पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने हॉकी से लिया संन्यास

नई दिल्ली, भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने हॉकी से संन्यास ले लिया है। वर्ष 2008 में ओलंपिक हॉकी क्वालिफायर टूर्नामेंट के जरिए 14 वर्ष की उम्र में हॉकी में पदार्पण करने वाली रानी ने भारत के लिए 254 मैचों में 205 गोल किए हैं। रानी की कप्तानी में भारतीय महिला हॉकी टीम टोक्यो ओलंपिक-2020 में चौथे स्थान पर रही, जो टीम की ओलंपिक खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इसके अलावा भारतीय टीम ने रानी की कप्तानी में वर्ष 2017 के महिला एशिया कप में रजत और वर्ष 2018 के एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था।

ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम घोषित

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया में खेली जाने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टेस्ट टीम की घोषणा कर दी है। 18 सदस्यीय भारतीय टीम में हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी और अभिमन्यु ईश्वरन को पहली बार जगह मिली है। बीसीसीआई ने दक्षिण दौरे पर खेली जाने वाली चार मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज के लिए भी भारतीय टीम का ऐलान किया है।

बीसीसीआई ने अभिमन्यु ईश्वरन को रोहित शर्मा के कवर के तौर पर भारतीय टीम में जगह दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी टेस्ट टीम में जगह बनाने में असफल रहे हैं। शमी इस समय चोट से उबर रहे हैं इसी वजह से उनकी टीम में वापसी नहीं हुई है। वहीं रिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव को कमर में चोट के कारण रिहेबिलिटेशन की सलाह दी गई है। बीसीसीआई ने कहा कि कुलदीप के अलावा मयंक, शिवम और रियान पराग भी चोट की वजह से टीम चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मैच 22 से 26 नवंबर, दूसरा मैच 6 से 10 दिसंबर, तीसरा मैच 14 से 18 दिसंबर, चौथा मैच 26 से 31 दिसंबर और पांचवां मैच 3 से 8 जनवरी 2025 तक खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम- रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, के.एल. राहुल, ऋषभ पंत, सरफराज खान, ध्रुव जुरैल, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम- सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विशाक विजय कुमार, आवेश खान, यश दयाल।

कस्टर्न ने पाकिस्तान टीम के मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

कराची, पाकिस्तान की वन-डे और ट्वेंटी-20 क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गैरी कस्टर्न ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस वर्ष अप्रैल में दो वर्ष के अनुबंध पर कस्टर्न को मुख्य कोच नियुक्त किया था, लेकिन कस्टर्न ने छह महीने बाद ही पद छोड़ दिया है। पीसीबी ने कुछ दिन पहले कस्टर्न से टीम चयन के अधिकार छीन लिये थे। मोहम्मद रिजवान को वन-डे और ट्वेंटी-20 टीम का कप्तान बनाये जाने के फैसले में भी कस्टर्न की राय नहीं मांगी गई, जिससे नाराज होकर कस्टर्न ने इस्तीफा दिया है। कस्टर्न की जगह पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट टीम के मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी अब वन-डे और ट्वेंटी-20 टीम के भी मुख्य कोच की भूमिका निभायेंगे।

कार्लोस सेंज ने जीती मैक्सिको सिटी ग्रां प्री रेस

मैक्सिको सिटी, स्पेन के अनुभवी कार रेसर कार्लोस सेंज ने मैक्सिको सिटी ग्रां प्री फॉर्मूला-वन रेस का खिताब अपने नाम किया है। टीम फेरारी के लिए फॉर्मूला-वन रेसिंग कर रहे सेंज ने 71 लैप की इस रेस को एक घंटा 40 मिनट 55.800 सेकेंड में पूरा किया।

राष्ट्रमंडल खेल-2026 हॉकी और कुश्ती सहित नौ खेल हुए बाहर

लंदन, वर्ष 2026 में स्कॉटलैंड में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की पदक जीतने की संभावनाओं को झटका लगा है। प्रतियोगिता के मेजबान शहर ग्लास्गो ने हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, निशानेबाजी और क्रिकेट जैसे नौ प्रमुख खेलों को राष्ट्रमंडल खेल-2026 के खेल कार्यक्रम से हटा दिया है।

प्रतियोगिता की आयोजन समिति ने कहा कि लागत को सीमित करने के लिए ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में सीमित संख्या में खेलों को जगह दी गई है। बर्मिंघम में वर्ष 2022 में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल नौ खेल अगले राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा नहीं होंगे। आयोजन समिति ने बताया कि ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल-2026 में सिर्फ 10 खेलों को जगह मिली है, इनमें एथेलेटिक्स और पैरा एथेलेटिक्स (ट्रैक एवं फील्ड), तैराकी और पैरा तैराकी, जिम्नास्टिक और कलात्मक जिम्नास्टिक, ट्रैक साइकिलिंग और पैरा ट्रैक साइकिलिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, मुक्केबाजी, जुडो, लॉन बाउल्स और पैरा बाउल्स तथा 3x3 बास्केटबॉल और 3x3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल शामिल हैं।

भारत ने वर्ष 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में 16 खेलों में 210 खिलाड़ी उतारे थे। इन खेलों में भारत ने 22 स्वर्ण, 16 रजत और 23 कांस्य सहित कुल 61 पदक जीते थे।

commonwealth games
GLASGOW 2026

- वर्ष 2026 में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होगा।
- पहले यह आयोजन ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में होना था।
- प्रतियोगिता की लागत बढ़ने की वजह से विक्टोरिया मेजबानी से पीछे हट गया।

इमर्जिंग एशिया कप अफगानिस्तान-ए ने पहली बार जीता

अल अमीरात, अफगानिस्तान-ए ने इमर्जिंग एशिया कप का खिताब जीत लिया है। अफगानिस्तान ने पहली बार यह खिताब जीता है। टूर्नामेंट के फाइनल में अफगानिस्तान-ए ने श्रीलंका-ए को 7 विकेट से हराया।

फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका-ए टीम की शुरुआत खराब रही। महज 15 रन के स्कोर पर श्रीलंका-ए के चार बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। इसके बाद पवन रथनायके (20) और सहान आराछिगे (64) ने पारी को संभाला और श्रीलंका-ए को 133 रन तक पहुंचाया।

जीत के लिए मिले 134 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगान टीम ने सदीकुल्लाह अटल (55) और दारविश रसूली (24), करीम जनत (33) और मोहम्मद इशाक (16) की उपयोगी पारियों की बदौलत महज तीन विकेट गवांकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

- अब तक छह बार आयोजित किया गया है इमर्जिंग एशिया कप टूर्नामेंट।
- श्रीलंका और पाकिस्तान ने दो-दो बार तथा भारत और अफगानिस्तान ने एक-एक बार जीता है खिताब।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

ऑस्ट्रेलिया को नामित किया 'कंट्री ऑफ फोकस'

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में ऑस्ट्रेलिया को 'कंट्री ऑफ फोकस' नामित करने की घोषणा की। इफ्फी में 'कंट्री ऑफ फोकस' सेगमेंट में सात ऑस्ट्रेलियाई फिल्मों का चयन किया जाएगा। इस खंड के तहत देश की समृद्ध सिनेमा परंपराओं के साथ-साथ स्वदेशी और समकालीन फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी। यह घोषणा दोनों देशों के बीच हाल ही में ऑडियो विजुअल सह-निर्माण संधि पर हस्ताक्षर के बाद की गई है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के फिल्म निर्माताओं को प्रोत्साहन देकर सह-निर्माण को बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'यह साझेदारी न केवल सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देगी, बल्कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के फिल्म निर्माताओं के लिए एक साथ काम करने के नए रास्ते भी खोलेगी।'

यूरोपीय संघ फिल्म महोत्सव का आयोजन 7 नवम्बर से होगा

यूरोपीय संघ फिल्म महोत्सव (ईयूएफएफ) के 29वें संस्करण का आयोजन नई दिल्ली, कोलकाता और हैदराबाद में 7 नवम्बर से 16 नवम्बर के बीच किया जाएगा। यूरोपीय सिनेमा के इस वार्षिक महोत्सव में 31 भाषाओं में 26 पुरस्कार विजेता फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी, जिनमें यूरोप महाद्वीप के समाज और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। भारत में यूरोपीय संघ का प्रतिनिधिमंडल यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के दूतावासों और क्षेत्रीय साझेदारों के साथ मिलकर इसका आयोजन कर रहा है।

बोइंग का संचार उपग्रह क्षतिग्रस्त

अंतरिक्ष में एक संचार उपग्रह टूट गया जिससे दुनिया के कई देशों पर असर होगा। अंतरिक्ष में टूट कर बिखरने वाले इस उपग्रह की डिजाइनिंग और निर्माण एयरोस्पेस की दिग्गज कंपनी बोइंग ने किया था। आईएस-33ई के टूट जाने से यूरोप, अफ्रीका और एशिया प्रशांत क्षेत्र के कई हिस्सों पर असर हुआ है। ऑपरेटर इंटेलसैट ने बताया, 'हम सैटेलाइट के निर्माता बोइंग और एजेंसियों के साथ बातचीत कर रहे हैं।'

अमेरिका ने बनाया सैटेलाइट जैमर

सैटेलाइट को युद्ध के दौरान जाम करने के लिए बनाए गए हथियार की तकनीकी खामियों को दूर कर लिया गया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी स्पेस फोर्स ने इसकी घोषणा की है। निर्धारित समय से दो साल की देरी के बाद इसकी डिलीवरी की उम्मीद है। L3Harris टेक्नोलॉजीस सिस्टम एक काउंटर कम्युनिकेशन सिस्टम का हल्के वजन वाला और लाने ले जाने में आसान वर्जन है। इसे मीडोलैंड्स के नाम से जाना जाता है। साल 2020 में इसे चालू घोषित किया गया था। नया मॉडल अपना सॉफ्टवेयर अपडेट कर सकता है। साथ ही यह हल्की और कई अन्य फ्रीक्वेंसी को जाम करने में सक्षम है। मूल रूप से इसकी डिलीवरी 2022 में होनी थी, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण इसमें देरी हुई है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सी-295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन समारोह

नई ऊंचाइयों को छू रहा है भारत का रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

- सी-295 कार्यक्रम के तहत 56 विमान वितरित किये जाने हैं।
- इनमें से 16 स्पेन से एयरबस द्वारा सीधे वितरित किए जा रहे हैं।
- बचे 40 विमान भारत में बनाए जाने हैं।
- भारत में इन विमानों को बनाने की जिम्मेदारी टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड की है।
- यह संयंत्र भारत में सैन्य विमानों के लिए निजी क्षेत्र की पहली फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) बन गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने गुजरात के बड़ोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) परिसर में सी-295 विमान निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इससे न केवल दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होंगे, बल्कि 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' मिशन को भी गति मिलेगी।

ठोस कदमों का परिणाम

उन्होंने कहा कि सी-295 विमान का कारखाना नए भारत की नई कार्य संस्कृति का प्रतिबिंब है। अक्टूबर 2022 में कारखाने के शिलान्यास को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संयंत्र अब सी-295 विमानों के उत्पादन के लिए तैयार है। भारत का रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम अब नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर 10 साल पहले ठोस कदम नहीं उठाए गए होते तो आज इस लक्ष्य तक पहुंचना असंभव होता।

तीस गुना बढ़ा रक्षा निर्यात

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा गलियारे स्थापित करने से इस क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। प्रधानमंत्री ने आई-डेक्स योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसने पिछले पांच से छह वर्षों में रक्षा के क्षेत्र में लगभग 1,000 स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले दशक में भारत के रक्षा निर्यात में 30 गुना वृद्धि हुई है। देश अब 100 से अधिक देशों को उपकरण निर्यात कर रहा है। सी-295 कार्यक्रम के तहत कुल 56 विमान वितरित किए जाने हैं, जिनमें से 16 स्पेन से एयरबस द्वारा सीधे वितरित किए जा रहे हैं और शेष 40 भारत में बनाए जाने हैं।

वृहद स्तर पर सृजित होंगे रोज़गार के अवसर

प्रधानमंत्री ने कहा कि एयरबस-टाटा फैक्ट्री जैसी परियोजनाएं हजारों रोज़गार पैदा करेंगी। उन्होंने कहा कि यह फैक्ट्री 18,000 विमान पुर्जों के स्वदेशी विनिर्माण को समर्थन देगी, जिससे पूरे भारत में एमएसएमई के लिए अपार अवसर उपलब्ध होंगे। भारत आज भी दुनिया की प्रमुख विमान कंपनियों के पुर्जों के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। नई विमान फैक्ट्री भारत में नए कौशल और नए उद्योगों को बढ़ावा देगी।

भारत और स्पेन के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और स्पेन के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव का अपना महत्व है। उन्होंने कहा कि फादर कार्लोस वैले स्पेन से आए थे और गुजरात में बस गए थे और उन्होंने अपने जीवन के पचास साल यहां बिताए। फादर वैले ने अपने विचारों और लेखन से संस्कृति को समृद्ध किया। उन्होंने कहा चाहे वह भोजन हो, फिल्म हो या फुटबॉल, हमारे लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव ने हमेशा हमारे संबंधों को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि भारत और स्पेन ने 2026 को भारत-स्पेन संस्कृति, पर्यटन और एआई वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है।

कमला हैरिस ने चुनाव प्रचार के दौरान उठाया भेदभाव का मुद्दा

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने भेदभावपूर्ण प्रवर्तन नीतियों से निपटने के लिए कानून लाने पर जोर देते हुए आगाह किया कि रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप कठोर पुलिसिंग हथकंडों को संस्थागत बनाने की कोशिश करेंगे जिसका देशभर में अश्वेतों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

रेडियो कार्यक्रम 'द ब्रेकफास्ट क्लब' में हैरिस ने कहा कि वह मारिजुआना को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए काम करेंगी जिसके कारण सबसे ज्यादा अश्वेत लोगों की गिरफ्तारियां होती हैं। साथ ही उन्होंने माना कि अश्वेत लोगों से रोजमर्रा की जिंदगी में नस्लीय भेदभाव किया जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव करीब आने के मद्देनजर हैरिस ने अश्वेतों में जोश भरने का काम किया जबकि ट्रंप ने जॉर्जिया में 'फॉक्स न्यूज' के एक कार्यक्रम में महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया। इस साल राष्ट्रपति पद के चुनाव में अंतिम वोट डाले जाने से पहले मुकाबला कड़ा लग रहा है।

WHO के निर्देश पर गाजा से निकाली जा रही महिलाएं और बच्चे

हमास और इजरायली सेना के बीच गाजा में संघर्ष विकराल रूप ले रहा है। आम लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। कुछ महीने पहले गाजा में पोलियो का मामला सामने आया था, जिसके बाद यूएन और कई देशों की मदद से गाजा में पोलियो अभियान भी चला। अमेरिका के दबाव में इजरायली सेना ने पोलियो अभियान के दौरान हवाई हमलों से परहेज किया। अभी भी गाजा में लगातार हमलों से नरसंहार थम नहीं रहा है। पल-पल बिगड़ते हालातों को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1000 महिलाओं और बच्चों को गाजा से तुरंत निकालने का आदेश दिया है। इन्हें यूरोप ले जाया जाएगा। इसके लिए WHO और इजरायल में डील भी हो गई है।

World Health Organization

भारत को सबमरीन बेचने के लिए तैयार जर्मनी और स्पेन

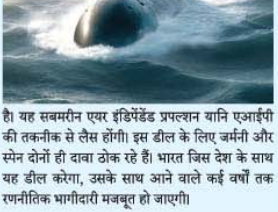

दुनिया के सबसे बड़े हथियार खरीदार भारत को हथियार बेचने की होड़ लगी हुई है। ताजा मामला जर्मनी बनाम स्पेन का है। जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज पिछले सप्ताह भारत के दौरे पर पहुंचे। उनकी इस यात्रा का एक बड़ा मकसद भारत को हथियार बेचना था। ओलाफ के साथ जर्मनी के रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री भी पहुंचे थे। इस यात्रा के दौरान जर्मन चांसलर ने सैन्य रिश्ते मजबूत करने पर पीएम मोदी से बात की। जर्मनी ने भारत के साथ समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर बात की। जर्मनी के चांसलर का बड़ा मकसद भारत को सबमरीन बेचना है। इससे पहले पिछले साल भी जर्मनी के चांसलर दो बार भारत आए थे। जर्मनी जिस सबमरीन डील पर नजरें गड़ाए बैठा है, उस पर एक अन्य यूरोपीय देश स्पेन की भी नजर है।

दरअसल भारत कई साल से प्रोजेक्ट 75 (I) के तहत 6 अत्याधुनिक परंपरागत पनडुब्बियां खरीदना चाहता है। यह सबमरीन एयर इंडिपेंडेंड प्रपल्शन यानि एआईपी की तकनीक से लैस होंगी। इस डील के लिए जर्मनी और स्पेन दोनों ही दावा ठोक रहे हैं। भारत जिस देश के साथ यह डील करेगा, उसके साथ आने वाले कई वर्षों तक रणनीतिक भागीदारी मजबूत हो जाएगी।

जलवायु परिवर्तन से आर्कटिक में घायल हो रहे ध्रुवीय भालू

जलवायु परिवर्तन से ध्रुवीय बर्फ पिघल रही है और बिना बर्फ के मौसम लंबे हो रहे हैं। इससे इलाके में रहने वाले ध्रुवीय भालुओं के लिए जीवन मुश्किल हो गया है। इलाके में बने बर्फ के टीलों से टकराकर ये चोटिल हो रहे हैं। इनके सामने खाने का संकट भी है।

आर्कटिक में तेजी से पिघल रही बर्फ के कारण ध्रुवीय भालुओं को जख्मी देखा गया है। सफेद जीव के चोटिल होने की घटना पहली बार सामने आई है। जर्नल इकोलॉजी में प्रकाशित वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। वैज्ञानिक कह चुके हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया में बचे मात्र 25 हजार ध्रुवीय भालू खतरे में हैं।

चलने में कठिनाई

आर्कटिक क्षेत्र के दो भालुओं की शोधकर्ताओं ने निगरानी की। ये दोनों ही पिघल रही बर्फ के कारण चोटिल हो गए थे। इनके पंजों में चोट थी, जिससे ये चल नहीं पा रहे थे। अधिक तापमान से इनके शरीर के सफेद बाल भी झड़ गए थे। हमेशा ठंडी बर्फ में रहने वाले इन सफेद जीवों पर गर्मी का ऐसा असर हुआ की त्वचा पर छाले तक दिखे।

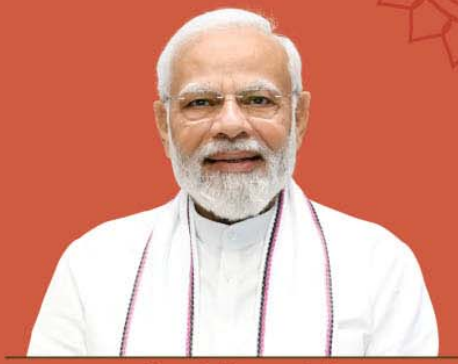

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

६९ वें मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के राज्योत्सव एवं दीपोत्सव की मंगलकामनाएं

"प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को अपनाते हुए राज्य सरकार ने स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया है, जिससे पारंपरिक कलाओं और स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन मिले और सभी की दीपावली रोशन हो सके। मध्यप्रदेश सरकार के निर्णय के तहत धनतेरस से देव उठनी ग्यारस तक छोटे विक्रेताओं को टैक्स से मुक्त रखा गया है।"

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

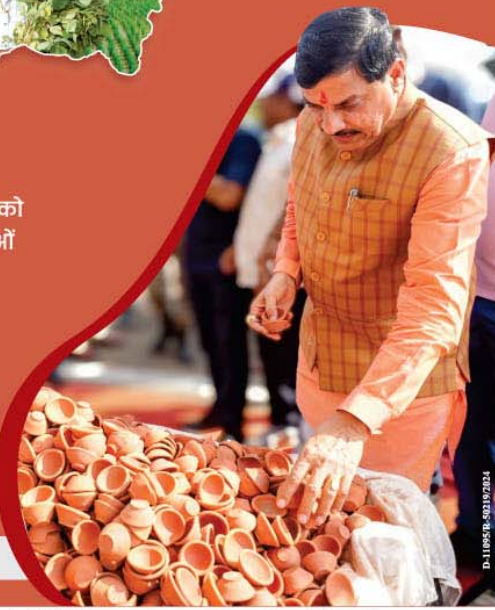

#मध्यप्रदेश_स्थापना_दिवस

@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP | JansamparkMP

D-11095/R-50219/2024

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।